चेन्नई, गुरुवार 13 मार्च 2025 ■ फाल्गुन शुक्ल - 14 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 226 ■ बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

5 'बांग्लादेशी घुसपैठियों' को अलग करके हो परिसीमन : निशिकांत दुबे

6 होली पर वास्तविक सद्भावना के रंग भरे जाएं

7 मैं संजय लीला भंसाली और रोहित शेट्टी के साथ काम करना चाहूंगी : आयुश्री मलिक

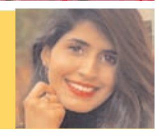

अवकाश की सूचना

रंगों से सराबोर भाईचारे के त्यौहार होली के अवसर पर सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं हितैषियों को अनेकानेक बधाइयां। 13 और 14 मार्च 2025 को होली उत्सव के उपलक्ष्य में **दक्षिण भारत कार्यालय** में संपूर्ण अवकाश रहेगा, अगला अंक 16 मार्च को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

फर्स्ट टेक

तेजस लड़ाकू विमान ने 'अस्त्र' मिसाइल का परीक्षण किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत के स्वदेश निर्मित हल्के लड़ाकू विमान तेजस ने बुधवार को हवा से हवा में मार करने वाली स्वदेशी मिसाइल 'अस्त्र' का सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, मिसाइल का परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर तट पर किया गया। मंत्रालय ने कहा, इस परीक्षण में उड़ते लक्ष्य पर मिसाइल के सीधे प्रहार का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया। मंत्रालय ने कहा, ''सभी उप-प्रणालियों ने सभी मिशन मापदंडों और उद्देश्यों को पूरा करते हुए सटीक प्रदर्शन किया। अस्त्र मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। यह 100 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर स्थित लक्ष्यों को निशाना बनाने में सक्षम है।

आईसीसी ने फिलीपीन के पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो की हिरासत ली

हेग/एपी। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने बुधवार को कहा कि फिलीपीन के पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो डुटर्टे को उसकी हिरासत में सौंप दिया गया है, ताकि उन पर पद पर रहते हुए मादक पदार्थ रोधी कार्रवाई से संबंधित मानवता के खिलाफ अपराध के आरोपों पर मुकदमा चलाया जा सका। अदालत ने एक बयान में कहा कि संदिग्ध के पहुंचने पर मानक प्रक्रियाओं के अनुरूप, डुटर्टे के लिए हवाई अड्डे पर एहतियाती उपाय के रूप में चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई थी। मानवता के खिलाफ अपराध के एक मामले में आईसीसी के आदेश के बाद फिलीपीन की पुलिस ने पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो डुटर्टे को मंगलवार को मनीला के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया था।

13-03-2025	14-03-2025
सूर्यास्त 6:19 बजे	सूर्योदय 6:17 बजे

BSE	NSE
74,029.76	22,470.50
(-72.56)	(-27.40)

सोना	चांदी
8,997 रु.	107,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

भारत, मॉरीशस ने आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए

मोदी ने 'महासागर' दृष्टिकोण की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पोर्ट लुइस/भाषा। भारत और मॉरीशस ने बुधवार को अपने संबंधों का विस्तार करते हुए इन्हें 'विस्तारित रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक पहुंचाया और समुद्री सुरक्षा एवं स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'ग्लोबल साउथ' के विकास के लिए एक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण की घोषणा की।

मॉरीशस की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दूसरे और अंतिम दिन मोदी ने द्वीपीय राष्ट्र के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित इस देश के लिए कई विकास परियोजनाओं की घोषणा की।

मॉरीशस के अपने समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ वार्ता के बाद मोदी ने 'ग्लोबल साउथ' के लिए भारत के नये दृष्टिकोण की घोषणा की और इसे ''महासागर'' या ''क्षेत्रों में सुरक्षा एवं विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति (म्यूचुअल एंड होलिस्टिक एडवांस्मेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ एक्रॉस रीजन्स) नाम दिया। यह नीतिगत दृष्टिकोण हिंद महासागर में चीन के अपने प्रभाव का विस्तार करने के अथक प्रयासों की पृष्ठभूमि में आया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''हम मॉरीशस के विशेष आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा में पूर्ण सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

बैठक में मोदी ने क्षेत्र में दोनों देशों के साझा उद्देश्यों को देखते हुए मॉरीशस को उसकी रक्षा और सुरक्षा आवश्यकताओं को बढ़ाने में भारत के निरंतर समर्थन और सहायता को दोहराया। मोदी ने कहा कि एक स्वतंत्र, मुक्त, सुरक्षित और संरक्षित हिंद महासागर भारत और मॉरीशस की साझा प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि उन्होंने और रामगुलाम ने इस बात पर सहमति जताई कि रक्षा सहयोग एवं समुद्री सुरक्षा दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मोदी को मॉरीशस के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया

पोर्ट लुईस/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बुधवार को मॉरीशस के सर्वोच्च सम्मान 'द ग्रांड कमांडर ऑफ ऑर्डर ऑफ स्टार एंड की ऑफ इंडियन ओशन' से सम्मानित किया गया जिसे उन्होंने दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक बताया। मॉरीशस के 57वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में वहां के राष्ट्रपति धर्मबीर गोखुल ने मोदी को यह सम्मान प्रदान किया। प्रधानमंत्री मोदी इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त करने वाले पहले भारतीय नेता हैं जो भारत और मॉरीशस के बीच संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान को मान्यता देता है।

सोना तस्करी :

कर्नाटक सरकार ने रान्या राव मामले में सीआईडी जांच वापस ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक सरकार ने आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े सोना तस्करी मामले में केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पुलिस अधिकारियों द्वारा संभावित चूक और कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने की जांच करने का निर्देश देने वाला अपना आदेश बुधवार को वापस ले लिया।

सीआईडी जांच का आदेश सोमवार रात को जारी किया गया था।

सीआईडी जांच को वापस लेने वाले आदेश में कहा गया है कि अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता पहले से ही मामले में रान्या के सौतेले पिता एवं डीजीपी रैंक के अधिकारी के. रामचंद्र राव की संभावित भूमिका की जांच कर रहे हैं।

रामचंद्र राव वर्तमान में कर्नाटक राज्य पुलिस आवास एवं अवसंरचना विकास निगम के प्रबंध निदेशक के रूप में तैनात हैं।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने तीन मार्च को यहां केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रान्या के पास से 12.56 करोड़ रुपये मूल्य की सोने की छड़ जब्त की थीं। अधिकारियों ने बताया कि 2.06 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के आभूषण और 2.67 करोड़ रुपये भारतीय मुद्रा भी बरामद की गई।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा को बताया

ट्रेनों में व्यंजन सूची, भोजन का मूल्य प्रदर्शित करना अनिवार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा को बताया कि ट्रेनों में यात्रियों को परोसे जाने वाले भोजन की कीमतें और व्यंजन सूची प्रदर्शित करना अनिवार्य है। उन्होंने सदन में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, ''यात्रियों की जानकारी के लिए आईआरसीटीसी (इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन) की वेबसाइट पर सभी खाद्य पदार्थों की सूची और कीमतों की जानकारी दी गई है। सभी विवरणों के साथ छपी व्यंजन सूची वेटर को उपलब्ध कराए जाते हैं और यात्रियों को मांगने पर दिए जाते हैं।'' रेल मंत्री ने कहा, ''रसोई यानों में भी मूल्य सूची प्रदर्शित की गई है। इसके अलावा, भारतीय रेलवे में खानपान सेवाओं के मेनू और शुल्क के बारे में यात्रियों को जागरूक करने के लिए, व्यंजन सूची और शुल्क के लिंक के साथ यात्रियों को एसएमएस भेजना शुरू किया गया है।''

ट्रेनों में व्यंजन सूची (मेनू कार्ड), खाद्य पदार्थों की दर सूची और स्वच्छता, सफाई और भोजन की गुणवत्ता में सुधार के लिए उठाए गए कदमों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में वैष्णव ने कहा कि नामित 'बेस किचन' से भोजन की आपूर्ति, चिह्नित स्थानों पर आधुनिक 'बेस किचन' की शुरुआत और भोजन तैयार किये जाने के दौरान बेहतर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने जैसे उपाय किये गए हैं। मंत्री ने जवाब में कहा कि खाना पकाने के तेल, आटा, चावल, दालें, मसाला, पनीर, डेयरी उत्पाद के चयन और उपयोग के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता की निगरानी के लिए 'बेस किचन' में खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है।

सिर्फ मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति ही औरंगजेब को अपना आदर्श मान सकता है : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विपक्षी दलों तथा मुगल शासक औरंगजेब का महिमामंडन करने वाले ''लोगों'' की आलोचना की एवं उनकी मानसिक स्थिति और इरादों पर सवाल उठाया।

यहां एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि केवल मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति ही औरंगजेब को आदर्श व्यक्ति मान सकता है।

मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आज़मी की औरंगजेब पर टिप्पणी से उपजे विवाद के बीच आई है। आजमी को 26 मार्च तक महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबित कर दिया गया है और कथित तौर पर जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए उनके खिलाफ कई प्राथमिकियां दर्ज की गईं।

आदित्यनाथ ने आज यहां कार्यक्रम में कहा, ''जो लोग भारत की सनातन परंपराओं और संस्कृति में विश्वास नहीं करते हैं, उनके खिलाफ साजिश रचते हैं, उन्हें उन लोगों के भाग्य पर भी गौर करना चाहिए जिनका वे महिमामंडन करते हैं। मैं यह पूरी ईमानदारी से कहता हूं- केवल मानसिक रूप से विकृत व्यक्ति ही औरंगजेब को आदर्श व्यक्ति मान सकता है। मैं नहीं मानता कि कोई भी मानसिक रूप से परिपक्व या बुद्धिमान व्यक्ति ऐसे क्रूर शासक की प्रशंसा करेगा।'' उन्होंने कटाक्ष किया, अगर कोई पूरी जागरूकता के साथ इस पर विश्वास करता है, तो उसे सबसे पहले अपने बेटे का नाम औरंगजेब रखना चाहिए। और उन्हें औरंगजेब द्वारा अपने पिता शाहजहां के साथ किए गए व्यवहार का सामना करने के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

आदित्यनाथ ने औरंगजेब के बारे में शाहजहां द्वारा खुद लिखे गए लेखों का हवाला देते हुए कहा, हमें दूसरों से औरंगजेब के बारे में क्यों सुनना चाहिए, जबकि शाहजहां ने खुद अपनी जीवनी में लिखा है कि किसी का बेटा औरंगजेब जैसा दुष्ट नहीं होना चाहिए? उन्होंने अफसोस जताया कि एक हिंदू बेटा भी बेहतर है क्योंकि वह अपने माता-पिता की जीवित रहते हुए सेवा करता है और उनके जाने के बाद उनकी आत्मा को पानी पिलाता है। लेकिन औरंगजेब, तुमने मुझे प्यासा छोड़ दिया। उन्होंने याद दिलाया कि औरंगजेब ने शाहजहां को आगरा के किले में कैद कर दिया था और उसे हर 24 घंटे में केवल एक छोटा घड़ा पानी दिया था, जिससे उसकी धीमी और दर्दनाक मौत हो गई।

भारतीय लोकतंत्र सांस्कृतिक लोकाचार का आधार है: बिरला

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कहा कि भारत में लोकतंत्र केवल शासन प्रणाली नहीं, बल्कि हमारे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक लोकाचार का आधार है। उन्होंने मेडागास्कर के संसदीय शिष्टमंडल के साथ मुलाकात के दौरान यह टिप्पणी की। उनसे मुलाकात के अलाव इस संसदीय शिष्टमंडल ने संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही भी देखी। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि मेडागास्कर हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का एक विश्वसनीय मित्र और महत्वपूर्ण साझेदार है। बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और मेडागास्कर के बीच संबंध ऐतिहासिक रूप से मजबूत रहा है और दोनों देशों के बीच व्यापार और संस्कृति का सदियों पुराना इतिहास है।

म्यांमार-थाईलैंड सीमा के पास ठगी केंद्रों से लगभग 550 भारतीयों को छुड़ाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बैंकॉक/भाषा। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भारतीय दूतावास ने पड़ोसी देश म्यांमार के यांगून में अपने समकक्ष के समन्वित प्रयास से म्यांमार-थाईलैंड सीमा के पास के क्षेत्रों में संचालित ठगी को अंजाम देने वाले केंद्रों से 549 भारतीयों को छुड़ाया और उनकी स्वदेश वापसी सुनिश्चित की। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

थाईलैंड में भारतीय दूतावास के अनुसार, भारतीय नागरिकों को 10 और 11 मार्च को दो विशेष उड़ानों से थाईलैंड के माई सोत के रास्ते भारत वापस भेजा गया।

दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''यह भारत सरकार के उन भारतीय नागरिकों की सुरक्षित रिहाई और स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के प्रयासों का हिस्सा है, जिन्हें फर्जी नौकरी का लालच दिया गया और थाईलैंड के पड़ोसी देशों में ठगी को अंजाम देने वाले केंद्रों में काम करने के लिए मजबूर किया गया।''

इससे पहले मंगलवार को, यांगून में भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''म्यांमार के अधिकारियों और स्थानीय समूहों के समन्वय से म्यांमार के म्यावाडी क्षेत्र में ठगी को अंजाम देने वाले केंद्र से 283 भारतीय नागरिकों को कल छुड़ाया गया और थाईलैंड के माई सोत के रास्ते स्वदेश वापस भेजा गया। इस तरह की नौकरी की पेशकश के खिलाफ हम अपने परामर्श को दृढ़ता से दोहराते हैं।''

यूक्रेन के साथ युद्धविराम समझौते को स्वीकार करना रूस पर निर्भर : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन के साथ रूस 30 दिन के युद्धविराम पर सहमत हो जाएगा। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को इसे एक सकारात्मक कदम बताया और कहा कि मॉस्को को इसे स्वीकार करने के लिए राजी करना अमेरिका पर निर्भर है। अमेरिका और यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंगलवार को सऊदी अरब के जेद्दा में वार्ता की। वार्ता के दौरान रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें 30 दिन के युद्धविराम को स्वीकार करने का संकेत दिया गया।

रोजगार सृजन से दूर होगी गरीबी, न कि मुफ्त में चीजें दिये जाने से : नारायण मूर्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। इन्फोसिस के सह-संस्थापक एन आर नारायण मूर्ति ने बुधवार को कहा कि मुफ्त की चीजों से गरीबी दूर नहीं होगी, बल्कि यह नवोन्मेषी उद्यमियों के रोजगार सृजन से समाप्त होगी।

यहां टाइकॉन मुंबई-2025 कार्यक्रम में मूर्ति ने उद्यमियों से अधिक कंपनियां और कारोबार बनाने पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अगर हम नवोन्मेषी उद्यम बनाने में सक्षम हैं, तो गरीबी धूप वाली सुबह की ओस की तरह 'गायब' हो जाएगी।

मूर्ति ने उद्यमियों के समूह को संबोधित करते हुए कहा, ''मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि आप में से प्रत्येक व्यक्ति सैकड़ों-हजारों नौकरियां पैदा करेगा और इसी तरह आप गरीबी की समस्या का समाधान करेंगे। आप मुफ्त उपहार देकर गरीबी की समस्या का समाधान नहीं कर सकते, कोई भी देश इसमें सफल नहीं हुआ है।''

इन्फोसिस के सह-संस्थापक का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब मुफ्त में चीजें दिये जाने और उनकी लागत पर बहस छिड़ी हुई है।

बाद में मूर्ति ने स्पष्ट किया कि उन्हें राजनीति या शासन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन उन्होंने नीतिगत ढांचे के नजरिये से कुछ सिफारिशें की हैं।

उन्होंने कहा कि लाभ के बदले में स्थिति में सुधार का आकलन भी किया जाना चाहिए। प्रतिमाह 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली का उदाहरण देते हुए मूर्ति ने कहा कि राज्य ऐसे घरों में छह महीने के अंत में सर्वेक्षण कर यह पता लगाया जा सकता कि बच्चे अधिक पढ़ रहे हैं या नहीं।

उन्होंने यह भी कहा कि इन दिनों बेचे जाने वाले अधिकांश कृत्रिम मेधा (एआई) समाधान 'मूर्खतापूर्ण, पुराने कार्यक्रम' हैं जिन्हें भविष्य के काम के रूप में प्रचारित किया जाता है। एआई में 'मशीन लर्निंग' और 'डीप लर्निंग' क्षमताएं शामिल हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हाल ए होली

संसेक्स कर रहा धूमधाम,
गाजा यूक्रेन चले गोली।
मँहगाई ने पर खोल दिए,
हालत निर्धन की है पोली।
हम अमन देश का माँग रहे,
फैला करके अपनी झोली।।
नेतागण फेंक रहे कीचड़,
कानूनों की जलती होली।

बलूचिस्तान ट्रेन हमला : 21 यात्री और चार सैनिक मारे गए, 33 विद्रोहियों को भी मार गिराया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराची/इस्लाबामाद/भाषा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में विद्रोहियों ने एक ट्रेन पर कब्जा करके बंधक बनाए गए 21 यात्रियों और अर्धसैनिक बलों के चार जवानों की हत्या कर दी। पाकिस्तान सेना के एक जनरल ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पाकिस्तान सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने टीवी चैनल 'दुनिया न्यूज' को बताया कि सुरक्षा बलों ने घटनास्थल पर मौजूद सभी 33 विद्रोहियों को मार गिराया।

लेफ्टिनेंट जनरल शरीफ ने कहा, ''सशस्त्र बलों ने सभी आतंकवादियों को मार गिराया और सभी यात्रियों को सुरक्षित छुड़ाकर आज (बुधवार) शाम को अभियान सफलतापूर्वक पूरा कर लिया।'' उन्होंने बताया कि मंगलवार को ट्रेन पर हमला करके विद्रोहियों ने 21 यात्रियों को मार डाला। उन्होंने बताया कि इस घटना में अर्धसैनिक बल फ्रंटियर कोर के चार जवान भी मारे गए।

लेफ्टिनेंट जनरल शरीफ ने कहा, ''सेना ने सभी 33 आतंकवादियों को मार गिराया और बंधकों को छुड़ाया।''

अधिकारियों ने बताया कि नौ डिब्बों में लगभग 400 यात्रियों को लेकर जाफर एक्सप्रेस ट्रेन क्वेटा से पेशावर जा रही थी

तभी विद्रोहियों ने विस्फोटकों का इस्तेमाल कर ट्रेन को बेपटरी कर दिया और उस पर कब्जा कर लिया।

'बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी' (बीएलए) ने मंगलवार को इस हमले की जिम्मेदारी ली थी और छह जवानों को मारने का दावा किया था।

लेफ्टिनेंट जनरल शरीफ ने बताया कि 11 मार्च को दोपहर करीब एक बजे विद्रोहियों ने ओसीपुर के बोलन दर्रे इलाके में रेलवे पटरी पर धमाका किया और ट्रेन में सवार सभी यात्रियों को बंधक बना लिया। उन्होंने कहा, ''सेना, वायुसेना, फ्रंटियर कोर और स्पेशल सर्विसेज ग्रुप के कमांडो की भागीदारी के साथ बचाव अभियान तुरंत शुरू किया गया।'' उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान, विद्रोही सैटेलाइट फोन के माध्यम से अफगानिस्तान में अपने मददगारों और आकाओं के संपर्क में रहे, जिससे उनके विदेशी गठजोड़ का पता चलता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों को अभियान पूरा करने में समय लगा, क्योंकि आतंकवादी बंधकों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कल शाम तक लगभग 100 यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया था तथा बुधवार को महिलाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में बंधकों को मुक्त कराया गया।

उन्होंने 'दुनिया न्यूज' को बताया, ''बचाव अभियान जारी रहा, और आज शाम को सभी शेष बंधकों को सुरक्षित छुड़ा लिया गया। चूंकि आतंकवादी यात्रियों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे, इसलिए अभियान अत्यधिक सावधानी के साथ चलाया गया।''

डिजिटल अरेस्ट, साइबर अपराध 2022-24 के दौरान तीन गुना बढ़े : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को संसद को बताया कि 2022 से 2024 के बीच देश में डिजिटल अरेस्ट और संबंधित साइबर अपराध के मामलों की संख्या लगभग तीन गुना हो गई और इस अवधि के दौरान धोखाधड़ी के जरिये निकाली गई राशि में 21 गुना की वृद्धि हुई।

गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा में कहा कि राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर 3 साल के डिजिटल अरेस्ट घोटालों के अद्यतन आंकड़े और संबंधित साइबर अपराध के मामलों के आंकड़े बताते हैं कि 2022 में 39,925 घटनाओं की सूचना मिली जिनमें धोखाधड़ी के जरिये 91.14 करोड़ रु. निकाले गए थे। 2024 में, इस तरह के मामलों की संख्या 1,23,672 हो गई, जिनमें धोखे से निकाली गई राशि 21 गुना बढ़कर 19,35.51 करोड़ रुपए हो गई। आंकड़ों के अनुसार, 2025 के शुरुआती दो महीनों के भीतर, 8 फरवरी तक डिजिटल अरेस्ट, साइबर अपराध के 17,718 मामलों की सूचना मिली जिसमें 210.21 करोड़ रुपए निकाले गए।

कुमार ने बताया ''इस पोर्टल पर साइबर क्राइम की घटनाओं की सूचना दी गई जिन्हें प्राथमिकी में तब्दील किया गया और संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने उनकी जांच शुरू की।'' केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा स्थापित 'इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर' (आई4सी) ने ऐसे अपराध में इस्तेमाल किए गए 3,962 'स्काइप आईडी' और 83,668 व्हाट्सएप खातों की पहचान कर उन्हें अवरुद्ध (ब्लॉक) कर दिया है। वित्तीय धोखाधड़ी की तत्काल सूचना देने व साइबर अपराधियों द्वारा धोखे से रकम निकाले जाने पर रोक के लिए 2021 में आई4सी के तहत नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग और प्रबंधन प्रणाली (द सिटिजन फायनेन्शियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम) की शुरुआत की गई थी।

यमुना नदी पर रिवर फ्रंट बनाने का काम 3-4 वर्षों में पूरा होने की संभावना : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नदी दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने यमुना की सफाई के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए बुधवार को कहा कि नदी जल को निर्मल एवं इसके प्रवाह को अविरल बनाने सहित रिवर फ्रंट का विकास कार्य तीन .चार साल में पूरा होने की संभावना है।

शेखावत ने 'पीटीआई वीडियो' से साक्षात्कार में कहा, '' यमुना नदी के कुल प्रवाह मार्ग का केवल दो प्रतिशत हिस्सा दिल्ली से गुजरता है जो करीब 22-23 किलोमीटर है। लेकिन इस नदी में कुल प्रदूषण का 98 प्रतिशत योगदान दिल्ली का है। यमुना नदी में औसतन प्रतिदिन 3500 एमएलडी जलमल, और अनुपचारित पानी छोड़ा जाता है।''

उन्होंने कहा कि इस स्थिति को देखते हुए दिल्ली में एशिया का सबसे बड़ा जलमल शोधन संयंत्र (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) शुरू करने की योजना बनाई गई थी।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती दिल्ली सरकार की उदासीनता के कारण इसमें देरी हुई लेकिन अब इसके आने वाले तीन-चार साल में पूरा होने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही सरकार यमुना नदी पर वर्तमान जलमल शोधन आधारभूत ढांचे को बेहतर बनाने पर भी काम कर रही है। अगर हम जलमल को पानी में जाने से रोक पाते हैं, तो यह हमारी पहली सफलता होगी।

गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि यमुना नदी पर कोई बांध नहीं था और इसे देखते हुए इसके तहत तीन बांध बनाने की योजना पर काम शुरू किया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इनमें से दो परियोजनाओं के लिए निविदाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है और तीसरी प्रक्रिया में है। उन्होंने कहा कि 3-4 वर्ष में बांध बनाने का कार्य पूरा हो जायेगा।

शेखावत ने कहा कि एक बार जब स्रोत पर पर्याप्त जल भंडारण हो जाएगा और जलमल का इसमें प्रवाह बंद हो जायेगा तो नदी जल की गुणवत्ता सुधर जाएगी जिससे प्रदूषण की समस्या भी हल हो जाएगी।

दिल्ली में यमुना नदी पर रिवर फ्रंट बनाने की योजना पर केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा, ''नदी के तट पर रिवर फ्रंट बनाने का काम 3-4 वर्षो में साकार हो सकेगा।''

यमुना की साफ सफाई के नाम पर कई हजार करोड़ रुपए बहा देने के बावजूद दिल्ली में यह नदी एक गंदे नाले के रूप में दिखती है। दिल्ली में यमुना नदी की सफाई के लिए 32 साल पहले यमुना एक्शन प्लान लाया गया था जिसे तीन चरणों में चलाया गया लेकिन इस योजना का कोई खास फायदा नहीं नजर आया।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में यमुना नदी में प्रदूषण का मुद्दा काफी अहम रहा था।

'आप' ने भाजपा के खिलाफ आईटीओ पर किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) नेता ऋतुराज झा ने दिल्ली में आईटीओ पर प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिलाओं को 2,500 रुपए देने और होली तक मुफ्त गैस सिलेंडर वितरित करने के अपने चुनावी वादों को पूरा करने में नाकाम साबित हुई है।

दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी सरकार ने आठ मार्च को पात्र महिलाओं को 2,500 रुपए की मासिक सहायता प्रदान करने के लिए 'महिला समृद्धि योजना' को मंजूरी दी थी और योजना के कार्यान्वयन के लिए 5,100 करोड़ रुपए आवंटित किए थे।

'आप' ने आरोप लगाया कि भाजपा कल्याणकारी योजनाओं को अपनी समयसीमा में लागू करने में नाकाम रही है। किराड़ी से पूर्व विधायक झा ने सिलेंडर को अपने सिर पर रख प्रदर्शन किया और कहा, ''दिल्ली की महिलाओं को आठ मार्च को 2,500 रुपए और होली पर मुफ्त सिलेंडर देने का वादा किया गया था। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी ने दोनों ही वादे पूरे नहीं किए।''

गैस सिलेंडर के आकार की तख्ती हाथ में लिये प्रदर्शनकारी नारे लगा रहे थे ''फ्री का सिलेंडर कब आएगा? 2,500 रुपए कब आएंगे?'' एक प्रदर्शनकारी सीमा ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''हमें आठ मार्च को 2,500 रुपए देने का वादा किया गया था, लेकिन चार दिन बीत चुके हैं। हमें पैसे कब मिलेंगे या यह सिर्फ एक झूठा वादा था?'' एक अन्य प्रदर्शनकारी सुरेन्द्र ने कहा, ''होली में बस एक दिन बचा है और हमें अभी तक मुफ्त सिलेंडर नहीं मिला है।''

डिजिटल मीडिया के नियमन की जरूरत : भाजपा सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद दिलीप सैकिया ने बुधवार को लोकसभा में केंद्र सरकार से आग्रह किया कि डिजिटल मीडिया के नियमन के लिए कानूनी प्रावधान किया जाए। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह मांग की।

सैकिया ने कहा, ''मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। आज के डिजिटल युग में ऑनलाइन पोर्टल की बाढ़ आ गई है। बहुत सारे पोर्टल असत्य खबरें प्रसारित कर रहे हैं। इससे मीडिया की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा हो रहा है।'' उन्होंने कहा कि लोगों को खबरों के बहाने ब्लैकमेल किया जा रहा है। सैकिया ने डिजिटल मीडिया के नियमन के लिए कानूनी प्रावधान करने का आग्रह किया।

भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने दक्षिण दिल्ली के तुगलकाबाद क्षेत्र में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा कई मकानों को तोड़े जाने का नोटिस दिए जाने का मुद्दा उठाया और कहा कि इसे (एएसआई के नोटिस को) वापस लिया जाना चाहिए।

भाजपा सांसद भतृहरि महताब ने अमेरिका में हिंदू मंदिर पर हमले की हालिया घटना का उल्लेख किया और कहा कि सरकार को यह मुद्दा अमेरिका के समक्ष उठाना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से यह बताने का भी आग्रह किया कि ऐसी घटनाओं को लेकर अमेरिका ने क्या कदम उठाए हैं।

तीन तलाक के मामलों का डेटा केंद्र के पास नहीं रखा जाता, राज्य से जुड़ा विषय हैः सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को लोकसभा को बताया कि तीन तलाक विरोधी कानून के तहत दर्ज होने वाले मामलों का कोई डेटा केंद्र के स्तर पर नहीं रखा जाता क्योंकि कानून-व्यवस्था राज्य से जुड़ा विषय है।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने लोकसभा सदस्य दीपक अधिकारी के प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। सदस्य ने देश में तीन तलाक कानून पारित होने के बाद से दर्ज मामलों की संख्या का विवरण मांगा था।

इसके जवाब में मंत्री ने कहा, ''ऐसा कोई डेटा केंद्र के स्तर पर नहीं रखा जाता है। इसके अलावा, पुलिस और विधि व्यवस्था राज्य के विषय हैं।''

उनके मुताबिक, '' 'मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम' के तहत अपराधों के मामलों में निपटारा राज्य सरकारों के स्तर पर किया जाता है।''

मुस्लिम महिलाओं के विवाह संबंधी अधिकारों के संरक्षण के लिए 2019 में 'मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम' पारित किया गया था, जिसके तहत एक बार में तीन तलाक को गैरकानूनी घोषित किया गया और इसमें तीन साल तक की सजा का प्रावधान है।

उत्तराखंड के 300 पुलिसकर्मियों ने बरेली में घरों पर छापा मारा

बरेली (उप्र)/भाषा। उत्तराखंड के 300 से अधिक पुलिसकर्मियों ने अभूतपूर्व कार्रवाई करते हुए उधम सिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के बरेली में कथित मादक पदार्थ तस्करों के घरों पर छापेमारी की। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी।

स्थानीय पुलिस अधिकारियों के अनुसार उत्तराखंड पुलिस 10 मार्च सुबह 70 वाहनों के काफिले में बरेली पहुंची। इन पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फतेहगंज पश्चिम क्षेत्र में घरों को निशाना बनाकर की गई यह कार्रवाई बरेली पुलिस को जानकारी दिये बगैर की गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया, ''हमें उत्तराखंड पुलिस द्वारा कार्रवाई के बारे में सूचित नहीं किया गया था।''

उन्होंने कहा,''उत्तराखंड पुलिस ने फतेहगंज पश्चिम क्षेत्र में कई घरों पर छापेमारी की और 16 व्यक्तियों को हिरासत में लिया। हालांकि, कोई मादक पदार्थ बरामद नहीं हुआ। जांच के बाद उनमें से 15 को छोड़ दिया गया, जबकि एक व्यक्ति का चालान किया गया।''

हालांकि कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है, लेकिन कुछ स्थानीय निवासियों ने उत्तराखंड पुलिस के खिलाफ आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि पुलिसकर्मियों ने घरों में तोड़फोड़ की, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया ।

लोगों का आरोप है कि कई घरों से जबरन सीसीटीवी कैमरे हटा दिए, यहां तक कि अपनी हरकतों के सुबूत छुपाने के लिए उत्तराखंड के पुलिसकर्मी डीवीआर भी अपने साथ ले गए।

अभी तक, इस घटना को लेकर बरेली पुलिस के पास कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है।

संसद ने तेलक्षेत्र संशोधन विधेयक को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने बुधवार को खनिज तेल उत्खनन के लिए 'सिंगल परमिट' प्रणाली लाने और समग्र ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लक्ष्य वाले विधेयक को मंजूरी प्रदान की। लोकसभा में विधेयक पर चर्चा और फिर केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के जवाब के बाद सदन ने 'तेलक्षेत्र (विनियमन तथा विकास) संशोधन विधेयक, 2024' को ध्वनिमत से मंजूरी दी।

राज्यसभा इस विधेयक को पहले ही मंजूरी दे चुकी है। चर्चा का जवाब देते हुए पुरी ने कहा कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा 'उपलब्धता, किफायती होने और टिकाऊपन' पर आधारित है। उनका कहना था, ''हम ऊर्जा की आपूर्ति के स्रोत को लेकर किसी तरह का भेदभाव नहीं करते हैं।

पुरी ने कहा, ''वैश्विक बाजार में बहुत अधिक तेल की आपूर्ति हो रही है। ब्राजील, गुयाना, सूरीनाम और कनाडा से आपूर्ति हो रही है। आपूर्ति की कोई कमी नहीं है।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क कम किया है, लेकिन कांग्रेस शासित राज्यों में वैट की बढ़ोतरी हो रही है।

पुरी ने इस बात पर जोर दिया, ''पड़ोस में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें भारत के मुकाबले 15 से 20 प्रतिशत तक अधिक हैं। सिर्फ भारत में कीमतों में कमी आई है।''

उत्तराखंड में कुमांउ के दूरस्थ क्षेत्रों के 125 गांवों के लोग कुलदेवता के डर से नहीं मनाते हैं होली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पिथौरागढ़/भाषा। उत्तराखंड के कुमांउ क्षेत्र के अधिकतर भागों में जहां देश के अन्य हिस्सों की भांति आजकल होली की धूम मची हुई है, वहीं इसके अंदरूनी उत्तरी हिस्से में 125 से अधिक गांवों में लोग अपने कुलदेवताओं के प्रकोप के डर से रंगों के इस त्योहार की मस्ती से दूर रहते हैं।

मुनस्यारी कस्बे के निवासी पुराणिक पांडेय ने बताया,''पिथौरागढ़ जिले के तल्ला डारमा, तल्ला जोहार क्षेत्र और बागेश्वर जिले के मल्ला दानपुर क्षेत्रों के 125 से अधिक गांवों के लोग होली का त्योहार नहीं मनाते हैं क्योंकि उनके कुलदेवता रंगों से खेलने पर नाराज हो जाते हैं।'' होली एक सनातनी हिंदू त्योहार है जो माघ माह के पहले रविवार से शुरू होकर चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तक चलता है। पूर्वी कुमांउ क्षेत्र के सांस्कृतिक इतिहासकार पदम दत्त पंत ने बताया, ''इस हिंदू सनातनी त्योहार को कुमांउ क्षेत्र में 14 वीं शताब्दी में चंपावत के चांद वंश के राजा लेकर आए थे। राजाओं ने इसकी शुरूआत ब्राह्मण पुजारियों के माध्यम से की इसलिए जहां-जहां उन पुजारियों का प्रभाव पड़ा, वहां इस त्योहार का प्रसार हो गया। जिन क्षेत्रों में होली नहीं मनाई जाती है, ये वे क्षेत्र हैं जहां सनातन परंपराएं पूरी तरह से नहीं पहुंच पायीं।'' बागेश्वर के सामा क्षेत्र के एक निवासी दान सिंह कोरंगा ने कहा, ''सामा क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांवों में ऐसी मान्यता है कि अगर ग्रामीण रंगों से खेलते हैं तो उनके कुलदेवता उन्हें प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दंड देते हैं।'' न केवल कुमांउ क्षेत्र के दूरस्थ गांवों बल्कि गढ़वाल क्षेत्र में रुद्रप्रयाग जिले के तीन गांवों-- क्वीली, खुरझांग और एक अन्य गांव के निवासियों ने भी कुलदेवी त्रिपुरा सुंदरी द्वारा प्राकृतिक आपदा के रूप में इन गांवों पर कहर बरपाए जाने के बाद डेढ़ सौ साल से होली नहीं खेली है।

खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी में घटकर 3.61 प्रतिशत पर, सात माह का निचला स्तर

नई दिल्ली/भाषा। सब्जियों, अंडे एवं अन्य प्रोटीन-युक्त उत्पादों की कीमतों में नरमी आने से फरवरी महीने में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर सात महीने के निचले स्तर 3.61 प्रतिशत पर आ गई। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी माह में 4.26 प्रतिशत और फरवरी, 2024 में 5.09 प्रतिशत रही थी।

खुदरा मुद्रास्फीति का पिछला निचला स्तर जुलाई, 2024 में देखा गया था। नवंबर, 2024 से ही उपभोक्ता मूल्य सूचकांक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सुविधाजनक दायरे में बना हुआ है। इससे आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की अगले महीने होने वाली द्विमासिक बैठक में नीतिगत ब्याज दर में एक और कटौती की गुंजाइश बनती हुई दिख रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी करते हुए कहा, ''जनवरी की तुलना में फरवरी, 2025 की मुख्य मुद्रास्फीति में 65 आधार अंक की कमी आई है। जुलाई, 2024 के बाद यह सालाना आधार पर सबसे कम मुद्रास्फीति है।'' इन आंकड़ों से पता चलता है कि फरवरी महीने में सालाना आधार पर खाद्य मुद्रास्फीति 3.75 प्रतिशत रही।

नेताओं को सांप्रदायिक विवाद पैदा करने वाले बयान देने से बचना चाहिए : अजित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने कैबिनेट सहयोगी नितेश राणे द्वारा मुसलमानों के संबंध में दिए गए बयान को ''भ्रामक'' करार दिया और राज्य के नेताओं को संयम बरतने की सलाह दी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नितेश राणे ने हाल में बयान दिया था कि मुसलमान छत्रपति शिवाजी महाराज की सेना का हिस्सा नहीं थे।

जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख पवार से राणे की इस टिप्पणी के संबंध में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि नेताओं को यह ध्यान में रखना चाहिए कि उनके द्वारा सार्वजनिक रूप से दिए गए बयानों से सांप्रदायिक तनाव पैदा न हो।

पवार ने कराड में कांग्रेस के दिवंगत नेता और राज्य के पहले मुख्यमंत्री यशवंतराव चव्हाण की जयंती पर उनकी समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि राजनीति में पक्ष या विपक्ष के ''कुछ नेता कभी-कभी ऐसे बयान दे देते हैं जो महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए हानिकारक होते हैं। अतीत में, राज्य के नेताओं ने हमेशा सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने का प्रयास किया है और यह सुनिश्चित किया है कि विभिन्न समुदाय साथ मिलकर शांतिपूर्वक रह सकें।''

अजित पवार ने कहा कि एक संप्रभु राज्य की स्थापना करते समय शिवाजी महाराज ने कभी भी जाति या पंथ के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं किया।

उन्होंने कहा, ''नेताओं को, चाहे वे सरकार में हों या विपक्ष में, बयान देते समय सावधानी बरतनी चाहिए, ताकि सांप्रदायिक विवाद पैदा न हो। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में देशभक्त मुसलमान रहते हैं। इस बात के प्रमाण हैं कि छत्रपति शिवाजी महाराज के शासनकाल में कई मुसलमानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी...।''

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि उन्हें ''ऐसे भ्रामक बयान'' देने का उद्देश्य समझ में नहीं आया।

खुफिया एजेंसी को भारत में आतंक वित्तपोषण, मादक पदार्थ तस्करी में क्रिप्टोकरंसी के इस्तेमाल का संदेह

नई दिल्ली/भाषा। भारत की संघीय वित्तीय खुफिया इकाई द्वारा किए गए एक अध्ययन में ''संदेह'' व्यक्त किया गया है कि देश भर में क्रिप्टोकरंसी का उपयोग आतंकवाद वित्तपोषण, अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा देने, साइबर अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी के अलावा सट्टेबाजी जैसे आपराधिक कृत्यों में किया जा रहा है।

वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) द्वारा 2023-24 वित्त वर्ष के दौरान वर्चुअल डिजिटल परिसंपत्तियों (वीडीए) और उनके सेवा प्रदाताओं (क्रिप्टो एक्सचेंज) से जुड़ी एक रिपोर्ट तैयार की गई, जिसे इस क्षेत्र से संबंधित कई संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट (एसटीआर) और उनकी ''गतिविधियों का विश्लेषण'' करने के बाद तैयार किया गया। हालांकि, रिपोर्ट में यह स्पष्ट कर दिया गया है कि यह बात ''केवल संदेह पर आधारित'' है। एफआईयू ने इस बात के साथ-साथ देश में क्रिप्टोकरंसी के संचालन पर ''विश्वसनीय'' खुफिया जानकारी को प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी प्रासंगिक कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ साझा किया और कुछ मामलों में उनके द्वारा आवश्यक प्रवर्तन कार्रवाई की गई।

कॉलेज छात्रा को नग्न वीडियो के जरिये ब्लैकमेल कर सात लोगों ने किया बलात्कार

पालनपुर/भाषा। गुजरात के बनासकांठा जिले की एक कॉलेज छात्रा को उसके नग्न वीडियो के जरिये ब्लैकमेल कर सात लोगों ने लगभग 16 महीने तक उसके साथ कथित तौर पर कई बार बलात्कार किया। पुलिस ने बताया कि छह आरोपियों में से एक ने 20 वर्षीय एक युवती से इंस्टाग्राम पर तब दोस्ती की, जब उसने 2023 में पालनपुर में एक कॉलेज में जाना शुरू किया था। प्राथमिकी के अनुसार नवंबर 2023 में उसने उसे एक होटल में नाश्ते के लिए अपने साथ चलने के लिए मनाया। प्राथमिकी के मुताबिक, आरोपी ने जानबूझकर युवती के कपड़े पर खाना गिराया और उसे साफ करने के बहाने एक कमरे में ले गया। जब युवती बाथरूम में कपड़े साफ कर रही थी, तब विशाल चौधरी नामक आरोपी अंदर घुस आया और उसका वीडियो बना लिया। प्राथमिकी में कहा है कि जब युवती ने विरोध किया तो उसने वीडियो को सार्वजनिक करने और इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने की धमकी दी। उसी वीडियो क्लिप का इस्तेमाल करके उसने छात्रा को नवंबर 2023 से फरवरी 2025 के बीच अलग-अलग जगहों पर उसके और उसके दोस्तों के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया।

यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल हुआ बस्तर का कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान को यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ का कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान अपनी अनूठी जैव विविधता के साथ भारत का नया यूनेस्को धरोहर दावेदार बन गया है। इस उद्यान को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है। छत्तीसगढ़ के पर्यटन के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि कांगेर घाटी की खूबसूरती और ऐतिहासिक महत्त्व ने इसे इस मुकाम तक पहुंचाया है।

उनके मुताबिक, दिसंबर 2023 में छत्तीसगढ़ सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने इस स्थल को वैश्विक पहचान दिलाने की योजना बनाई थी। विशेषज्ञों ने इसकी जैव विविधता, पुरातात्विक धरोहर और अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र का गहराई से अध्ययन किया और फिर इसका नाम यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल करने का प्रस्ताव भेजा गया।

अधिकारियों ने बताया कि यह पहली बार है जब छत्तीसगढ़ का कोई स्थल इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल हुआ है। अब पूरी उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में इसे स्थायी विश्व धरोहर का दर्जा भी मिल सकता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस सफलता को लेकर कहा है कि यह कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता का परिणाम है।

साय ने कहा है, ''कांगेर घाटी का यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल होना राज्य के लिए गौरव का विषय है, जिससे पर्यटन एवं रोजगार में नई संभावनाएं खुलेंगी। हम भविष्य में भी अपनी धरोहरों के संरक्षण के लिए मिलकर प्रयास करते रहेंगे।''

अधिकारियों ने बताया कि कांगेर घाटी सिर्फ जंगल नहीं है, यह एक जादुई दुनिया है। यहां 15 से ज्यादा रहस्यमयी गुफाएं हैं, जैसे कोटमसर, कैलाश और दंडक गुफाएं, जो किसी रहस्यलोक से कम नहीं लगतीं। उन्होंने बताया कि यहां 15 से अधिक चूना पत्थर की गुफाएं हैं। यहां की टमसर, कैलाश, दंडक गुफाएं न सिर्फ भूवैज्ञानिक चमत्कार हैं, बल्कि पुरातात्विक कहानियां भी समेटे हुए हैं। इस उद्यान में ऊदबिलाव, माउस डियर, जायंट गिलहरी, लेथिस सॉफ्टशेल कछुआ, जंगली भेड़िया जैसे दुर्लभ प्राणी भी निवास करते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि यहां पक्षियों की दो सौ से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं तथा नौ सौ से अधिक वनस्पतियां भी हैं। यहां तितलियों की 140 से अधिक प्रजातियां है। उन्होंने बताया कि यूनेस्को की अस्थायी सूची एक खास सूची होती है, जिसमें दुनिया के वह स्थान शामिल किए जाते हैं, जिन्हें भविष्य में विश्व धरोहर घोषित किया जा सकता है और यह पहला और सबसे अहम कदम होता है।

अधिकारियों ने कहा कि अब कांगेर घाटी ने भी यह पहला पड़ाव पार कर लिया है और आगे चलकर यदि यह स्थायी सूची में शामिल हो जाती है, तब छत्तीसगढ़ का यह हरा-भरा जंगल पूरे विश्व में अपनी खास पहचान बना लेगा।

अधिकारियों ने बताया कि इस सफलता से सिर्फ जंगल ही नहीं, बल्कि आसपास के गांवों को भी फायदा होगा।

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान राज्य के बस्तर क्षेत्र में स्थित है। पार्क का नाम कांगेर नदी से लिया गया है। यह राष्ट्रीय उद्यान 200 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है।

जानिए क्या है त्रि-भाषा फॉर्मूला, केंद्र और तमिनाडु सरकार के बीच विवाद का कारण क्यों

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में प्रस्तावित त्रि-भाषा फॉर्मूला द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार और केंद्र के बीच राजनीतिक विवाद का केंद्र बना हुआ है। आइए इस फॉर्मूले के बारे में जानें :

क्या है तीन-भाषा फॉर्मूला : n एनईपी 2020 में प्रस्तावित त्रि-भाषा फॉर्मूला कहता है कि छात्रों को तीन भाषाएं सीखनी चाहिए, जिनमें से कम से कम दो भारत की मूल भाषा होनी चाहिए। यह फॉर्मूला सरकारी और निजी दोनों स्कूलों पर लागू होता है तथा राज्यों को बिना किसी दबाव के भाषाएं चुनने की छूट देता है।

किन कक्षाओं पर लागू होगा : n एनईपी में कहा गया है कि कम से कम कक्षा पांच तक, लेकिन अधिमानतः कक्षा आठ और उससे आगे तक, घरेलू भाषा, मातृभाषा, स्थानीय भाषा या क्षेत्रीय भाषा शिक्षा का माध्यम होनी चाहिए।

त्रि-भाषा फॉर्मूला का इतिहास : त्रि-भाषा फॉर्मूला सबसे पहले शिक्षा आयोग (1964-66) ने प्रस्तावित किया था, जिसे आधिकारिक तौर पर कोठारी आयोग के नाम से जाना जाता है। इसे तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 1968 में औपचारिक रूप से अपनाया गया था। राजीव गांधी के प्रधानमंत्री कार्यकाल में एनईपी 1986 में त्रि-भाषा फॉर्मूला की पुन: पुष्टि की गई थी। 1992 में नरसिंह राव के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने भाषायी विविधता और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए इसमें संशोधन किया था। इस फॉर्मूले में तीन भाषाएं शामिल थीं- मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा, आधिकारिक भाषा (अंग्रेजी सहित) और एक आधुनिक भारतीय या यूरोपीय भाषा।

एनईपी 2020 में इस फॉर्मूले को लेकर क्या कहा गया है: n एनईपी 2020 में स्कूल स्तर से ही बहुभाषावाद को प्रोत्साहित करने के लिए त्रि-भाषा फार्मूले को जल्द लागू किए जाने का प्रस्ताव है। नीति दस्तावेज में कहा गया है कि संवैधानिक प्रावधानों, लोगों, क्षेत्रों एवं संघ की आकांक्षाओं, बहुभाषावाद को प्रोत्साहित करने और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए त्रि-भाषा फार्मूले का क्रियान्वयन जारी रहेगा।

क्या इस फॉर्मूले का उद्देश्य राज्यों पर कोई भाषा थोपना है : n एनईपी 2020 में स्पष्ट किया गया है कि त्रि-भाषा फॉर्मूले में ज्यादा लचीलापन होगा और किसी भी राज्य पर कोई भी भाषा नहीं थोपी जाएगी। नीति में कहा गया है कि राज्य, क्षेत्र और खुद छात्र, छात्रों द्वारा सीखी जाने वाली तीन भाषाओं को चुन सकते हैं, बशर्ते इनमें से कम से कम दो भारत की मूल भाषा हों।

विदेशी भाषाओं के बारे में क्या कहा गया है : n एनईपी 2020 के मुताबिक, माध्यमिक स्तर के छात्र भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के अलावा, कोरियाई, जापानी, फ्रेंच, जर्मन और स्पेनिश जैसी विदेशी भाषाएं भी सीख सकते हैं।

अंग्रेजी, जो ज्यादातर स्कूलों में पढ़ाई का माध्यम है, उसे अब विदेशी भाषा माना जाएगा। इसके चलते अंग्रेजी पढ़ने वाले छात्रों को दो भारतीय भाषाएं चुननी होंगी।

तमिलनाडु क्यों कर रहा विरोध : n तमिलनाडु लगातार त्रि-भाषा फॉर्मूले का विरोध करता आया है। 1937 में सी राजगोपालाचारी की अध्यक्षता वाली तत्कालीन मद्रास सरकार ने वहां के स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई अनिवार्य कर दी थी। जस्टिस पार्टी और पेरियार जैसे द्रविड़ नेताओं ने बड़े पैमाने पर इस फैसले का विरोध किया था। 1940 में इस नीति को रद्द कर दिया गया, लेकिन हिंदी विरोधी भावनाएं बरकरार रहीं।

साल 1968 में जब त्रि-भाषा फॉर्मूला पेश किया गया था, तब तमिलनाडु ने इसे हिंदी को थोपने का प्रयास करार देते हुए इसका विरोध किया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुरई के नेतृत्व में तमिलनाडु ने दो-भाषा नीति अपनाई थी, जिसके तहत केवल तमिल और अंग्रेजी पढ़ाई जाती थी। स्कूली शिक्षा समवर्ती विषय है, जिसके चलते राज्य इस फॉर्मूले को अपनाने से इनकार कर सकते हैं। तमिलनाडु एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसने कभी भी त्रि-भाषा फॉर्मूला लागू नहीं किया है। उसने हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं सहित भारतीय भाषाओं के बजाय अंग्रेजी को चुना है।

ताजा विवाद की वजह क्या है : n तमिलनाडु के एनईपी 2020 के प्रमुख पहलुओं, खासतौर पर त्रि-भाषा फॉर्मूले को लागू करने से इनकार करने के कारण केंद्र ने राज्य को समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के लिए दी जाने वाली केंद्रीय सहायता राशि की 573 करोड़ रुपये की पहली किस्त रोक दी है। नीति से जुड़े नियमों के अनुसार, सर्व शिक्षा अभियान के लिए वित्तपोषण हासिल करने के वास्ते राज्यों का एनईपी के दिशा-निर्देशों पर अमल करना अनिवार्य है।

तमिलनाडु के मंत्री ने कहा, 'त्रि-भाषा नीति एक विफल मॉडल'

मदुरै। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और त्रि-भाषा नीति विवाद को लेकर तमिलनाडु के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री पलानीवेल थियागा राजन ने बुधवार को कहा कि त्रि-भाषा नीति पूर्ण रूप से विफल' मॉडल है और इसे तमिलनाडु की 'द्वि-भाषा नीति के सफल' मॉडल की जगह क्यों लेनी चाहिए? यहां पत्रकारों से बातचीत में राजन ने सवाल उठाया कि क्या कोई भी ज्ञानी और बुद्धिमान व्यक्ति एक विफल मॉडल को स्वीकार करेगा? उन्होंने कहा कि पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 में आई थी, लेकिन त्रि-भाषा नीति को कहीं भी ठीक से लागू नहीं किया जा सका और द्वि-भाषा नीति अपनाने वाला तमिलनाडु ही सबसे अच्छे शिक्षण परिणाम दे पाया। राजन ने कहा कि अगर उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे उत्तरी राज्यों में दूसरी भाषा अंग्रेजी को ठीक से पढ़ाया जाता, तो तीन भाषाओं का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि केंद्र के पास कोई भी भाषा थोपने की शक्ति या अधिकार नहीं है और वे द्वि-भाषा नीति को भी सफलतापूर्वक लागू नहीं कर पाए हैं, जबकि तमिलनाडु द्वि-भाषा नीति लागू करने में सफल रहा है।

एनईपी भगवा नीति, परिसीमन भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को आरोप लगाया कि नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) एक भगवा नीति है, जिसका मकसद हिंदी को बढ़ावा देना है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संसदीय क्षेत्रों के प्रस्तावित परिसीमन के जरिये अपने दबदबे वाले उत्तरी राज्यों में सीटों की संख्या बढ़ाकर अपनी सत्ता बनाए रखने की कोशिश कर रही है।

स्टालिन ने केंद्र सरकार की निंदा करने के लिए आयोजित एक जनसभा में आरोप लगाया कि भाजपा अपने दबदबे वाले राज्यों में अपने सांसदों की संख्या बढ़ाने तथा इस तरह पार्टी को और मजबूत करने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) भारतीय जनता पार्टी के इस प्रयास को विफल कर देगी। स्टालिन ने कहा, हम एनईपी 2020 का विरोध करते हैं, क्योंकि यह शिक्षा क्षेत्र में तमिलनाडु की प्रगति को पूरी तरह से नष्ट कर देगी।

उन्होंने दावा किया कि एनईपी आरक्षण को स्वीकार नहीं करती, जो सामाजिक न्याय है। द्रमुक प्रमुख ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार व्यावसायिक शिक्षा के नाम पर जाति आधारित शिक्षा लागू करने का प्रयास कर रही है।

सिर्फ जनसंख्या के आधार पर नहीं हो परिसीमन, सभी राज्यों का समुचित प्रतिनिधित्व मिले : द्रमुक सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सांसद एम काथिर आनंद ने बुधवार को लोकसभा में परिसीमन से जुड़ा मुद्दा उठाया और केंद्र सरकार से आग्रह किया कि सिर्फ जनसंख्या के आधार पर यह नहीं होना चाहिए तथा तमिलनाडु जैसे प्रगतिशील राज्यों की भावना का सम्मान किया जाना चाहिए।

उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया। आनंद ने कहा कि यदि परिसीमन जनसंख्या के आधार पर हुआ तो तमिलनाडु जैसे राज्यों को सीटों का नुकसान होगा जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण किया है, लेकिन सफलतापूर्वक परिवार नियोजन नहीं करने वाले उत्तर प्रदेश तथा बिहार जैसे राज्यों को सीटों के संदर्भ में फायदा होगा।

उनका कहना था, ''यदि इसी तरह परिसीमन हुआ तो प्रगतिशील राज्यों को दंड भुगतना होगा और परिवार नियोजन को नहीं अपनाने वाले राज्य पुरस्कृत होंगे।''

द्रमुक नेता ने कहा, ''मेरा आग्रह है कि परिसीमन में राज्यों की जीएसडीपी, अवसंचरना और अन्य उपलब्धियों को आधार बनाना चाहिए, सिर्फ जनसंख्या आधार नहीं होना चाहिए।'' आनंद ने कहा, केंद्र सरकार को लोगों का सम्मान करना चाहिए। सभी राज्यों का समुचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना चाहिए।''

उच्च न्यायालय ने ईशा फाउंडेशन के खिलाफ अपमानजनक' सामग्री हटाने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नईदिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आध्यात्मिक गुरु सद्‌गुरु के ईशा फाउंडेशन के खिलाफ यूट्यूबर श्याम मीरा सिंह द्वारा अपलोड किए गए वीडियो और प्रकाशित सामग्री को ऑनलाइन मंच से हटाने का बुधवार को आदेश दिया।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि 'क्लिकबेट' शीर्षक वाले यूट्यूब वीडियो के लगातार प्रसारित होने से ट्रस्ट की प्रतिष्ठा धूमिल होने की आशंका है। इसने सिंह को आरोपों को आगे प्रकाशित करने से रोक दिया। न्यायाधीश ने ईशा फाउंडेशन के मुकदमे पर अंतरिम आदेश में 'एक्स', मेटा और गूगल को जगदीश 'जग्गी' वासुदेव उर्फ सद्‌गुरु की संस्था के खिलाफ कथित अपमानजनक सामग्री हटाने का निर्देश दिया।

अदालत ने प्रथम दृष्टया कहा कि सिंह ने पूरी तरह से ''असत्यापित सामग्री'' के आधार पर वीडियो बनाया। इसने मई में अगली सुनवाई तक लोगों को इसे सोशल मीडिया मंच पर अपलोड करने या साझा करने से रोक दिया। इसने कहा कि वीडियो अपलोड करने से पहले इसके प्रचार के लिए ट्वीट और पोस्ट किए गए। अदालत ने कहा, अब तक उक्त वीडियो को नौ लाख लोग देख चुके हैं और 13,500 से अधिक टिप्पणियां कर चुके हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि वीडियो का शीर्षक है सद्‌गुरु एक्सपोज्ड: व्हॉट इज हेपनिंग इन वासुदेवज आश्रम।' आदेश में कहा गया, शीर्षक एक क्लिकबेट' है और इस अदालत की प्रथम दृष्टया राय है कि उक्त शीर्षक केवल ध्यान आकर्षित करने के लिए दिया गया है। सिंह को भविष्य में इस तरह की सामग्री प्रकाशित करने से रोकते हुए अदालत ने सोशल मीडिया मंच को अपमानजनक वीडियो को हटाने का आदेश दिया।

भारी बारिश से ट्रैक पर गिरा बड़ा पत्थर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ऊटी। कन्नूर और हिलग्रोव रेल मार्ग में हुई भारी बारिश के कारण मेट्टूपाल्यम् से ऊटी जाने वाले रेल मार्ग पर बड़ा पत्थर गिर गया। जिसके चलते रेल ट्रैक को भारी नुकसान हुआ है। बुधवार को ऊटी से चलने वाले ट्रेन नं. 56136 /56137 को रद्द कर दिया गया है। रेल राहत टीम हिलग्रोव रेल मार्ग पर पहुंचकर मरम्मत का कार्य शुरु कर चुकी है। दक्षिण रेलवे ने बताया कि मरम्मत कार्य रात तक पूरा कर लिया जाएगा। इस क्षेत्र में हो रही बारिश कम हुई तो नीलगिरी पहाड़ियों पर चलने वाली एनएमआर रेल सेवा कल से शुरु कर दी जाएगी।

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री रंगासामी ने 2025-26 के लिए 13,600 करोड़ रुपये का बजट पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने बुधवार को यहां प्रादेशिक विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 13,600 करोड़ रुपये का कर-मुक्त' बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश के बीच घनिष्ठ सहयोग और समन्वित प्रयासों के कारण, मेरी सरकार पिछले चार वर्षों से, खासकर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार कई प्रगतिशील कल्याणकारी योजनाओं को लागू कर रही है।

मुख्यमंत्री के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश की अपनी राजस्व प्राप्तियां 7,641.40 करोड़ रुपये अनुमानित की गई हैं। राज्य आपदा राहत कोष सहित केंद्रीय सहायता 3,432.18 करोड़ रुपये अनुमानित की गई है। केंद्रीय सड़क निधि 25 करोड़ रुपये है और केंद्र प्रायोजित योजना के तहत आवंटन 400 करोड़ रुपये अनुमानित किया गया है। केंद्र सरकार ने राजकोषीय घाटे के अंतर को पाटने के लिए 2,101.42 करोड़ रुपये तक के बातचीत से तय ऋण सहित शुद्ध उधार सीमा (एनबीसी) के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि 13,600 करोड़ रुपये के बजट अनुमान में से 11,624.72 करोड़ रुपये राजस्व व्यय के लिए तथा 1,975.28 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के लिए आवंटित किए गए हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रस्तावित बजट में कुल व्यय के सापेक्ष पूंजीगत व्यय का प्रतिशत उल्लेखनीय रूप से लगभग 10 गुना होकर 9.80 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि वर्ष 2021-22 में यह केवल 1.66 प्रतिशत था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निरंतर सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान 15वीं विधानसभा में यह उनका लगातार पांचवां बजट है। उन्होंने चालू वित्त वर्ष (2024-25) में विशेष बजट घटकों के लिए 2,760 करोड़ रुपये के आवंटन की भी घोषणा की, जिसमें लैंगिक बजट के लिए 1,458 करोड़ रुपये, युवा पहल के लिए 613 करोड़ रुपये और हरित परियोजनाओं के लिए 689 करोड़ रुपये शामिल हैं।

उन्होंने कहा, हमारे वित्तीय संसाधनों का एक बड़ा हिस्सा वेतन, पेंशन, ऋण की अदायगी और ब्याज भुगतान जैसे प्रतिबद्ध व्ययों में चला जाता है।

खाद्य सुरक्षा और भूजल के लिए धान की मौजूदा खेतों को संरक्षित करना आवश्यक : केरल सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार ने बुधवार को कहा कि वह राज्य में धान के मौजूदा खेतों को हर कीमत पर संरक्षित रखने का इरादा रखती है और वह अन्य उद्देश्यों के लिए उनका इस्तेमाल नहीं होने देगी।

केरल के कृषि मंत्री पी प्रसाद ने राज्य विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूछे गए इस सवाल के जवाब में यह घोषणा की कि क्या सरकार मौजूदा धान के खेतों को संरक्षित करने का इरादा रखती है।

मंत्री ने भूजल पुनर्भरण और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से मौजूदा धान के खेतों को संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रसाद ने कहा कि धान की खेती वाली एक एकड़ भूमि में एक वर्ष में लगभग पांच करोड़ लीटर पानी भूमिगत रूप से इकट्ठा होता है और इसलिए जल संसाधन के दृष्टिकोण से उन्हें संरक्षित करना महत्वपूर्ण है।

मंत्री ने कहा कि वनों की तरह धान के खेतों को भी संरक्षित रखे जाने की आवश्यकता है। उन्होंने साथ ही कहा, हम किसी किसान से यह नहीं कह सकते कि उसकी कृषि भूमि को धान के लिए आरक्षित खेत घोषित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, इसीलिए हमने राज्य में धान के खेतों और जल निकायों को संरक्षित और सुरक्षित रखने के लिए 2008 में केरल धान भूमि और आर्द्रभूमि संरक्षण अधिनियम बनाया।

उन्होंने कहा कि सरकार का धान के खेतों के ''एक इंच'' हिस्से का किसी अन्य उद्देश्य से इस्तेमाल करने की अनुमति देने का कोई इरादा नहीं है। केरल के कृषि मंत्री पी प्रसाद ने कहा, हम किसी भी कीमत पर राज्य में धान के मौजूदा खेतों का संरक्षण करना चाहते हैं।

मंदिर में जातिगत भेदभाव की घटना की जांच की जाएगी : केरल सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार ने बुधवार को कहा कि प्रशासन त्रिशूर जिले के कूडलमाणिक्यम मंदिर में कथित जातिगत भेदभाव की हालिया घटना की जांच करेगा। प्रदेश सरकार ने दोहराया कि वह इस तरह की प्रथाओं के खिलाफ है।

बालू नामक एक कर्मचारी 'कषखम' (फूलों की साज सज्जा) के लिए मंदिर में आया था लेकिन 'तंत्रियों' (मुख्य पुजारियों) ने देवस्वोम बोर्ड से शिकायत की, जिसमें कथित तौर पर कहा गया था कि अगर उसे काम करने की अनुमति दी गई तो वे अपनी तंत्री' जिम्मेदारियों को निभाने से परहेज करेंगे। इसके बाद, बोर्ड के अधिकारियों ने अस्थायी रूप से बालू को कार्यालय में तैनात कर दिया।

केरल देवस्वोम मंत्री वीएन वासवन ने कहा कि बालू को बोर्ड के अध्यक्ष ने नहीं बल्कि कोचीन देवस्वोम प्रशासक ने कार्यालय में नियुक्त किया था।

उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले ही इस तरह की प्रथाओं के खिलाफ अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। वासवन ने कहा कि रिपोर्ट तलब की जाएगी और उसके आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कांग्रेस विधायक एपी अनिल कुमार द्वारा सदन में यह मुद्दा उठाए जाने पर कहा, हम इस पर गौर करेंगे। कुमार ने कहा कि यह घटना राज्य का अपमान है।

उन्होंने सवाल उठाया कि तंत्रियों' की शिकायत पर प्रशासक कर्मचारी को कैसे हटा सकते हैं। कुमार ने यह भी कहा कि ऐसे आरोप हैं कि कर्मचारी के जाने के बाद मंदिर में शुद्धिकरण अनुष्ठान किया गया। उन्होंने पूछा, अगर ऐसा हुआ है तो यह बहुत गलत है। सरकार ने क्या कार्रवाई की है?

अदालत ने कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर स्थित आर्थिक अपराधों की एक विशेष अदालत ने बुधवार को कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव की जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। रान्या राव को सोने की तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। अदालत के 14 मार्च को फैसला सुनाने की संभावना है। राव का प्रतिनिधित्व कर रहीं वरिष्ठ अधिवक्ता किरण जावली ने जमानत की सुनवाई के दौरान दलील दी कि राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने गिरफ्तारी और पूछताछ के दौरान उचित कानूनी प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया।

जावली ने कहा कि जारी किए गए गिरफ्तारी दस्तावेज में स्पष्ट रूप से गिरफ्तारी के आधार' नहीं बताए गए थे, जैसा कि डीके बसु मामले में उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देशों के अनुसार आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रक्रियागत चूक आरोपों की गंभीरता की परवाह किए बिना जमानत देने को उचित ठहराती है। डीआरआई की कानूनी टीम ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए राव के खिलाफ आरोपों की गंभीरता को उजागर किया और उन पर सोने की तस्करी के एक बड़े मामले में शामिल होने का आरोप लगाया।

उन्होंने दलील दी कि रान्या राव को जमानत देने से जांच में बाधा आ सकती है और संभावित रूप से सबूतों के साथ छेड़छाड़ या गवाहों को प्रभावित करने की संभावना हो सकती है।

पात्र व्यक्ति को समय पर योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन हो। उन्होंने कहा कि पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ समय पर मिले, इसे सभी स्तरों पर सुनिश्चित किया जाए। राज्यपाल बुधवार को दौसा कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि राष्ट्र और समाज की प्रगति के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। हमारा प्रयास हो कि हर वर्ग के बालक-बालिका को गुणवत्तायुक्त शिक्षा मिले। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से जिले में कुपोषित बच्चों की जानकारी लेते हुए हर बालक-बालिका को पूर्ण पोषण युक्त आहार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा करते हुए पेंशन एवं छात्रवृत्ति राशि का समय पर भुगतान करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि गांवों में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें और कोई भी आवास शौचालय रहित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने मनरेगा के माध्यम से गांवों में अच्छे खेल मैदानों की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। राजीविका गतिविधियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की ओर से बनाए जाने वाले उत्पादों और उनसे होने वाली वार्षिक आय की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने इन उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग कर बाजार मुहैया कराने के निर्देश देते हुए कहा कि जिला स्तर पर इन समूहों की आय के समुचित आंकड़े संधारित करते हुए हर वर्ष लक्षित वृद्धि हासिल कर महिलाओं को आर्थिक सशक्त बनाएं। राज्यपाल ने जिले में सड़कों की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में कोई भी गांव और ढाणी सड़क से वंचित नहीं रहें। हर ढाणी तक मनरेगा के माध्यम से ग्रेवल सड़क के माध्यम से सुगम रास्ता सुनिश्चित करें। उन्होंने हाइवे की निरन्तर मॉनिटरिंग करते हुए समय पर मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में पेयजल की स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार की मंशा है कि देश में पीने के पानी की समस्या का स्थाई समाधान हो और आगामी 25-30 साल तक कहीं भी पेयजल की परेशानी नहीं आए। इसके लिए ही हर घर नल योजना शुरु कर घर-घर पानी पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने इसरदा पेयजल परियोजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और निश्चित समय सीमा में इसका काम पूर्ण कर लोगों को पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने जिले के कृषि परिदृश्य की जानकारी लेते हुए बूंद-बूंद सिंचाई एवं मिनी स्प्रिंकलर को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं की अनुदान राशि समय पर काश्तकार को मिल जानी चाहिए। उन्होंने जिले में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल खरीदी की समीक्षा करते हुए कहा कि काश्तकार को मंडी में जिंस तुलाई में कोई दिक्कत नहीं हो और फसल बेचान की राशि का समय पर भुगतान सुनिश्चित हो। उन्होंने किसानों के बीच सिंचाई के लिए सोलर पंप सेट को प्रोत्साहित करने के साथ लम्बित कृषि बिजली कनेक्शन करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सॉयल हेल्थ कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित कृषि एवं पशुपालन से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा कर काश्तकारों को अधिकाधिक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना एवं पीएम विश्वकर्मा योजनाओं के माध्यम से युवाओं को उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, मातृ वंदन योजना, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की विस्तार से समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

थाने में आरक्षी ने की आत्महत्या

जयपुर। जयपुर ग्रामीण के आंधी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक आरक्षी (कांस्टेबल) ने थाने में कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। थानाधिकारी रमेश मीणा ने बताया कि आरक्षी हरिओम चौधरी (35) ने मंगलवार देर रात थाने की सीढ़ियों से फांसी लगा ली। उन्होंने बताया कि चौधरी के बिस्तर पर एक सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें उन्होंने कथित रूप से अपनी बीमारी से परेशान होने का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया तथा परिजनों की ओर से दी गई रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

राज्य के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान में वृद्धि

जयपुर। राजस्थान के अधिकांश भागों में बीते 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। आईएमडी के मुताबिक, बाड़मेर में मंगलवार को अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो सामान्य से 7.7 डिग्री ज्यादा है। जयपुर मौसम केन्द्र के प्रभारी राधेश्याम शर्मा ने बताया कि आगामी दो दिनों में बीकानेर, जयपुर व भरतपुर संभाग के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है और तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरावट होने के आसार हैं।

उन्होंने बताया कि संगरिया में सबसे कम न्यूनतम तापमान बुधवार सुबह 13.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उनके मुताबिक, जोधपुर, चित्तौड़गढ़, सिरोही, डूंगरपुर व पाली में मंगलवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

देश में विलुप्त नदियों को संरक्षित करने की दिशा में हो रहे प्रभावी कार्य : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश में विलुप्त नदियों को संरक्षित करने की दिशा में प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं और करौली जिले की भद्रावती नदी का पुनरुद्धार किये जाने के लिए राज्य सरकार द्वारा कार्य कराया जा रहा है। रावत प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा रूपारेल, साबी एवं जोजरी नदी को पुनर्जीवित किये जाने हेतु डी.पी.आर. का कार्य बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के तहत कराये जाने क लिए स्वीकृति जारी की जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि जाखम बांध के अधिशेष जल को राजसमंद, चित्तोड़गढ़ व भीलवाड़ा के मेजा, भोपालसागर, राजसमंद, नंदसमंद आदि बांधो में अपवर्तित किए जाने के लिए बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के तहत क्रियान्वयन के लिए 12.50 करोड़ रुपये की लागत से डी.पी.आर तैयार करने हेतु कार्यादेश 10 फरवरी को जारी किए गए हैं। रावत ने बताया कि भारत सरकार की राष्ट्रीय नदी संरक्षण परियोजना अंतर्गत जोधपुर जिले की जोजरी नदी में प्रवाहित हो रहे प्रदूषित सीवरेज पानी के ट्रीटमेंट के लिए चार कार्य स्वीकृत किये गये हैं, जिनका कार्य जोधपुर विकास प्राधिकरण एवं नगर निगम जोधपुर द्वारा किया जाना है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा वर्ष 2024-25 अंतर्गत नदियों की साफ-सफाई के लिए डिसिल्टिंग एवं ड्रेजिंग के कार्य सक्षम स्वीकृति एवं वित्तीय संसाधन उपलब्धतानुसार कराये जाने प्रस्तावित हैं।

इससे पहले विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि नदियों को पुनर्जीवित करने अंतर्गत रिजटू वैली कैचमेंट क्षेत्र उपचारित पद्धति आधारित वानिकीकरण कार्य, जल संरक्षण कार्य, मृदा संरक्षण कार्य, नाला उपचार कार्य, प्रदूषण को रोकने संबंधी कार्य एवं सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सामुदायिक संगठन एवं सूचना शिक्षा एवं संचार (आई.ई.सी.) गतिविधियों को सम्मिलित कर डी.पी.आर. तैयार की जाकर स्वीकृति उपरांत संसाधन उपलब्धतानुसार कार्य कराये जाने हैं।

राजस्थान विधानसभा में सकारात्मक विकास की नई इबारत, ग्रीन बजट से सशक्त होगा प्रदेश : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विकास और सुशासन की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने सदन में ग्रीन बजट पेश किए जाने को एक ऐतिहासिक कदम बताया, जो राज्य की सतत विकास यात्रा में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सिटीजन फर्स्ट' दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए बजट तैयार किया गया है। इसमें गरीब, युवा, अन्नदाता और ज्ञान को केंद्र में रखकर नीतिगत फैसले लिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह बजट प्रदेश के कल्याणकारी योजनाओं को मजबूती देने वाला है और समुचित संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष के रुख पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जब वित्त मंत्री ने सरकार का दूसरा बजट प्रस्तुत किया, तब प्रतिपक्ष के चेहरों पर असमंजस और उतार-चढ़ाव स्पष्ट दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष अगर प्रदेश के आमजन की खुशहाली की परवाह करता है, तो उसे बजट का सकारात्मक रूप से स्वागत करना चाहिए था। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राजस्थान की आर्थिक स्थिति लगातार सशक्त हो रही है और वर्ष 2025-26 तक राज्य की जीएसडीपी 19,89,835 करोड़ रुपये (230 बिलियन डॉलर) तक पहुंचने का अनुमान है। इसी प्रकार, 2028-29 तक जीएसडीपी 35,02,629 करोड़ रुपये (350 बिलियन डॉलर) तक पहुंचने की उम्मीद है।

प्रदेश के विकास को लेकर किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की जनता का विश्वास उनकी सरकार पर बना रहेगा और सभी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। उन्होंने विधानसभा में सभी माननीय सदस्यों को संविधान क्लब के क्रियाशील होने पर शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री ने सदन में यह भी कहा कि पहली बार राज्य में ग्रीन बजट प्रस्तुत किया गया है, जो पर्यावरण-संवेदनशील योजनाओं को प्राथमिकता देगा। इससे प्रदेश में हरित ऊर्जा, जल संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा। सरकार के इन सकारात्मक कदमों से स्पष्ट है कि राजस्थान तेजी से आर्थिक और सामाजिक विकास की ओर अग्रसर है और आने वाले वर्षों में देश के अग्रणी राज्यों में शुमार होगा।

राजस्थान सरकार अपने कुशल वित्तीय प्रबंधन और डबल इंजन की नीति के तहत 2030 तक निर्धारित आर्थिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रति पूर्ण रूप से आश्वस्त है। वर्तमान आर्थिक वृद्धि दर के आधार पर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि राज्य तय समय सीमा से पहले ही अपने विकास लक्ष्यों को हासिल कर लेगा। मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि सरकार की नीतियों का उद्देश्य केवल आर्थिक प्रगति ही नहीं, बल्कि हर क्षेत्र में समग्र विकास को सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम को और अधिक प्रभावी बनाया गया है, जिससे उद्योगों को आवश्यक अनुमतियां और सेवाएं सुगमता से प्राप्त हो सकें।

राजस्थान सरकार ने कंप्यूटर इकोसिस्टम और आधुनिक तकनीक में निवेश को लेकर उद्यमियों को आमंत्रित किया है। इस पहल के तहत विभिन्न देशों के उद्योगों के प्रतिनिधियों और देश के अन्य राज्यों के उद्यमियों ने भी भाग लिया। सरकार ने छह महीने का विशेष 'ग्रोथ एक्सीलेरेशन प्रोग्राम' चलाया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। सरकार के प्रयासों से विभिन्न क्षेत्रों में 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश संभव हो पाया है। इससे प्रदेश में न केवल आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी, बल्कि रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सतत विकास के लिए सरकार हर संभव कदम उठा रही है और निवेश को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए नई योजनाएं भी लाई जा रही हैं। इसके साथ ही, प्रशासनिक सुधारों और नई औद्योगिक नीतियों के जरिये राजस्थान को एक मजबूत औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

राजस्थान विधानसभा में विपक्ष का दो बार सदन से बहिर्गमन

सरकार की ऐसी क्या मजबूरी थी कि अध्यादेश लाने की जरूरत पड़ी। जूली ने कहा कि सरकार के पास बहुमत है, इसलिए केवल एक घंटे में तीन महत्वपूर्ण विधेयक पारित कर दिए गए। इस पर पटेल ने कहा कि विकास कार्यों में रोड़े अटकाना कांग्रेस की नीति बन गई है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा के तृतीय एवं बजट सत्र में बुधवार को विपक्ष कांग्रेस सदस्यों ने अलग अलग मुद्दों पर दो बार सदन का बहिर्गमन किया। प्रश्नकाल में विधायक हाकम अली के सवाल जल जीवन मिशन योजना के तहत पाइपलाइन डालने से सड़कों के क्षतिग्रस्त हो जाने के मामले का जलदाय मंत्री कन्हैया लाल ने जवाब दिया लेकिन कांग्रेस सदस्य इससे संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की। इस दौरान शोरशराबा और हंगामा हुआ। इस दौरान संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि विपक्ष केवल बहाने बना रहा है और बिना किसी ठोस मुद्दे के हंगामा कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल में हुए जल जीवन मिशन घोटाले के उजागर होने से कांग्रेस परेशान है। इसके बाद कांग्रेस विधायक सदन से बहिर्गमन कर गए। इसके बाद शून्यकाल में भरतपुर और बीकानेर विकास प्राधिकरण विधेयक 2025 को पारित किया गया, जिसका कांग्रेस सदस्यों ने विरोध जताया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि सरकार बिना चर्चा के विधेयकों को पारित कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की ऐसी क्या मजबूरी थी कि अध्यादेश लाने की जरूरत पड़ी। जूली ने कहा कि सरकार के पास बहुमत है, इसलिए केवल एक घंटे में तीन महत्वपूर्ण विधेयक पारित कर दिए गए। इस पर पटेल ने कहा कि विकास कार्यों में रोड़े अटकाना कांग्रेस की नीति बन गई है।

उन्होंने कहा कि सरकार राजस्थान के हर इलाके का समग्र विकास चाहती है लेकिन कांग्रेस के पास कोई मुद्दा या विजन नहीं है और वह केवल विरोध करने का बहाना ढूंढ रही है। कांग्रेस विधायकों ने विधेयक को प्रवर समिति में भेजने की मांग की और विधेयक के विरोध में सदन से बहिर्गमन कर गए। कांग्रेस सदस्यों ने आज दूसरी बार सदन से बहिर्गमन किया।

दीया कुमारी को वीमन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर अवॉर्ड की सौंपी ट्राफी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पेसिफिक एशिया ट्रैवल राइटर्स एसोसिएशन' ने राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए गए सराहनीय कार्यों के लिए उपमुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दीया कुमारी को हाल में मिले वीमन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर, इंडिया की ट्राफी बुधवार को सौंपी गई। पर्यटन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने सुदीया कुमारी को यह ट्रॉफी सौंपी। उल्लेखनीय है कि यह सम्मान आईटीबी बर्लिन, जर्मनी में सेशेल्स के पूर्व पर्यटन मंत्री, डॉ. एलन सेंटएन्ज द्वारा दिया गया। जिसे उपमुख्यमंत्री की ओर से पर्यटन विभाग के अधिकारी, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन आनंद त्रिपाठी, उप निदेशक पर्यटन उपेन्द्र सिंह शेखावत ने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किया था।

राजस्थान सरकार प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। राज्य सरकार, केंद्र सरकार के साथ मिलकर राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाकर काम कर रही है। राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा देश और दुनिया के विभिन्न पर्यटन मंचों पर राजस्थान के पर्यटन की ब्रांडिंग की जा रही है। इसी के तहत पेसिफिक एरिया ट्रैवल राइटर्स संगठन (पटवा) ने राजस्थान को यह सम्मान प्रदान किया हैं।

आईफा अवार्ड्स को लेकर नेता प्रतिपक्ष का सरकार पर तीखा हमला

जयपुर में जब सितारों की महफिल सजी थी, तब मुख्यमंत्री के क्षेत्र में गर्भवती महिला की इज्जत हो रही थी तार-तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में हुए आईफा अवॉर्ड्स को लेकर विपक्षी नेता टीकाराम जूली ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। जूली का आरोप है कि जब जयपुर में सितारों की महफिल सजी थी, उसी समय मुख्यमंत्री के अपने ही विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में एक गर्भवती महिला की अस्मिता से खिलवाड़ किया जा रहा था। दुखद पहलू यह कि इस शर्मनाक घटना में किसी बाहरी अपराधी का नहीं, बल्कि पुलिसकर्मी का नाम सामने आया हैजिससे कानून और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। सरकार ने आईफा के आयोजन पर करीब 100 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि धार्मिक स्थलों, विशेष रूप से खाटू श्यामजी और गोविंद देवजी मंदिर, के लिए बजट में घोषित राशि अब तक जारी नहीं की गई। यह सवाल उठता है कि सरकार की प्राथमिकताएं क्या हैं? क्या राजस्थान की जनता के टैक्स का पैसा बॉलीवुड की चकाचौंध में उड़ाने के लिए है, जबकि आम जनता मूलभूत सुविधाओं से जूझ रही है? जूली ने आरोप लगाया कि इस भव्य आयोजन में चुनिंदा लोगों को ही शामिल किया गया। 7-7 लाख रुपये के टिकट कुछ खास हाथों में ही गए। न सिर्फ विपक्ष बल्कि कई विधायकों और मंत्रियों को भी नजरअंदाज किया गया। क्या ये लोकतंत्र की भावना के अनुरूप है? अगर यह आयोजन वाकई राज्य के लिए गर्व की बात थी, तो आम जन को इससे दूर क्यों रखा गया? यही नहीं उन्होंने कहा कि आईफा में शाहरुख खान को छोड़ दें तो बाकी

सभी सैकंड ग्रेड आर्टिस्ट थे। बॉलीवुड सिंगर सोनू निगम ने भी इस आयोजन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिस कलाकार को राइजिंग राजस्थान में बुलाया गया उनको आईफा में भूल गए। यदि किसी कलाकार को सिर्फ इसलिए नॉमिनेशन से बाहर किया जाता है कि उसने सरकार की आलोचना की थी, तो यह सीधे तौर पर तानाशाही मानसिकता को दर्शाता है।

राजस्थान सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि जब राज्य में कानून-व्यवस्था का ये हाल है, किसानों की समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं, बेरोजगारी चरम पर है, तब इतना बड़ा फंड सिर्फ बॉलीवुड के एक कार्यक्रम पर क्यों खर्च किया गया? आईफा जैसे आयोजनों की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन जब जनता मूलभूत जरूरतों से जूझ रही हो, तब यह आयोजन 'ब्रांडिंग' से ज्यादा 'बेबसी का तमाशा' लगता है।

आईफा अवॉर्ड्स एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का इवेंट हो सकता है, लेकिन जब जनता की समस्याएं हाशिए पर चली जाएं, जब कानून-व्यवस्था रसातल में हो, जब धार्मिक स्थलों को घोषित फंड तक न मिले, और जब सरकार केवल अपने 'खास' लोगों के लिए तामझाम करे, तो इसे विकास नहीं कहा जा सकता। सवाल यही हैक्या राजस्थान की जनता ने सरकार को बॉलीवुड को प्रमोट करने के लिए चुना था या जनहित के कार्यों के लिए?

पशुपालन विभाग द्वारा उभरते जूनोटिक रोगों की तैयारी और एक स्वास्थ्य विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित

जयपुर। पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ आनंद सेजरा ने कहा कि आज की परिस्थिति में जूनोटिक रोग सार्वजनिक स्वास्थ्य की जोखिम की स्थिति को दर्शाते हैं, इसलिए इसकी पहचान करना बहुत आवश्यक है। डॉ सेजरा आज पशुपालन विभाग द्वारा राजस्थान राज्य पशुधन प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान, जामडोली में एस्केड योजना के तहत उभरते जूनोटिक रोगों की तैयारी और एक स्वास्थ्य विषय पर आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

डॉ सेजरा ने कहा कि इन रोगों के बारे में आम जन को भी जागरूक करना आवश्यक है। यह जागरूकता रोग की शुरूआती पहचान, रोकथाम और नियंत्रण में सहायक है, जिससे अंततः सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षित रहता है। जूनोटिक और गैर जूनोटिक रोगों के बीच में अंतर के बारे में जनता को शिक्षित करने से अनावश्यक भय को दूर करने में सहयोग मिलता है।

पिछली सरकारों के शासन में भू-माफिया ने प्रयागराज के पौराणिक स्थलों पर किये अवैध कब्जे : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को आरोप लगाया कि पिछली सरकारों के शासन में भू–माफिया ने प्रयागराज के पौराणिक स्थलों पर अवैध कब्जे कर लिए थे जिससे उनकी गरिमा को गहरी चोट पहुंची।

मुख्यमंत्री ने यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का समर्थन करने वाले प्रकाशनों 'पांचजन्य' और 'आर्गनाइजर' के 'मंथन: कुंभ और उसके आगे' विचार संगम कार्यक्रम में कहा कि पिछली सरकारों के शासन में भू–माफिया ने प्रयागराज के अक्षय वट, माता सरस्वती कूप, पातालपुरी, श्रृंगवेरपुर, द्वादश माधव और भगवान बेनी माधव जैसे पौराणिक स्थलों पर अवैध कब्जे कर लिए थे, जिससे उनकी गरिमा को गहरी चोट पहुंची। उन्होंने दावा किया कि महाकुंभ के दौरान इन स्थलों को माफिया से मुक्त कराने पर उनके कायाकल्प का मार्ग प्रशस्त हुआ जिससे श्रद्धालु अब साल भर दर्शन कर सकते हैं।

आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि महाकुम्भ के आयोजन ने दुनिया को भारत के सामर्थ्य और सनातन धर्म के वास्तविक स्वरूप को दिखाया तथा उत्तर प्रदेश की नकारात्मक छवि को भी बदला। उन्होंने कहा, ''महर्षि भारद्वाज की नगरी प्रयागराज, जो दुनिया के पहले गुरुकुल की भूमि है वह पिछली सरकारों के दौर में माफियाओं के हवाले थी। अक्षय वट को गुलामी के काल में कैद कर नष्ट करने की कोशिश की गई, जिससे 500 वर्षों तक श्रद्धालु दर्शन से वंचित रहे। माता सरस्वती कूप और पातालपुरी जैसे स्थल उपेक्षित रहे, जबकि श्रृंगवेरपुर–भगवान राम और निषादराज के मैत्री स्थल पर लैंड जिहाद के जरिए कब्जा कर लिया गया।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि द्वादश माधव और नागवसुकी जैसे पवित्र स्थल भी अवैध कब्जों की चपेट में थे। उन्होंने दावा किया कि महाकुंभ के दौरान वहां नए कॉरिडोर बनाकर इन स्थलों को मुक्त कराया गया।

उन्होंने कहा, '' महाकुंभ ने सनातन धर्म के सच्चे और व्यापक स्वरूप को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। त्रिवेणी संगम में हर जाति, पंथ और क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने एक साथ डुबकी लगाई, जो 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' की भावना को दर्शाता है। '' विपक्ष पर निशाना साधते उन्होंने कहा कि जिनकी सोच नकारात्मक है, उनसे सकारात्मकता की उम्मीद करना बेकार है। मुख्यमंत्री ने स्वतंत्र भारत के पहले कुंभ (1954) से लेकर 1974, 1986, 2007 और 2013 तक कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के शासनकाल में हुई कथित अव्यवस्थाओं का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया, ''1954 में एक हजार से अधिक मौतें हुईं, 2007 में प्राकृतिक आपदा से जन–धन की हानि हुई और 2013 में मॉरिशस के तत्कालीन प्रधानमंत्री ने संगम की गंदगी देखकर आंसू बहाए थे। पिछली सरकारों ने कुंभ को अव्यवस्था और गंदगी का अड्डा बना दिया था। आज वही लोग हमारे स्वच्छ महाकुंभ पर सवाल उठा रहे हैं। उनकी नकारात्मकता ने उन्हें जनता की नजरों से गिरा दिया।''

संभल का उल्लेख इस्लाम से भी पहले के ग्रंथों में है, मंदिर को 1526 में नष्ट कर दिया गया था: योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। संभल के मस्जिद विवाद के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि संभल का उल्लेख 5,000 साल पुराने शास्त्रों में है और यह इस्लाम से पहले का है। उन्होंने कहा कि दुनिया में हर धर्म और पूजा पद्धति में कुछ अच्छे गुण होते हैं लेकिन किसी की आस्था को जबरन जब्त करना और उनकी मान्यताओं को कुचलना अस्वीकार्य है – ''खासकर जब हम संभल के बारे में सच्चाई जानते हैं।''

आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि संभल में श्री हरि विष्णु मंदिर को 1526 में नष्ट कर दिया गया था। उन्होंने कहा, संभल का उल्लेख 5,000 साल पुराने ग्रंथों में है। उनमें भगवान विष्णु के भावी अवतार का उल्लेख है। दूसरी ओर, इस्लाम का उदय केवल 1,400 साल पहले हुआ। मैं ऐसी चीज़ की बात कर रहा हूं जो इस्लाम से कम से कम 2,000 साल पुरानी है। मुख्यमंत्री ने कहा, इन बातों के सबूत सदियों से मौजूद हैं। याद कीजिए, 1526 में संभल में भगवान विष्णु का मंदिर तोड़ा गया था। दो साल बाद, 1528 में अयोध्या में राम मंदिर को भी तोड़ दिया गया था। आरएसएस से जुड़ी साप्ताहिक पत्रिका 'ऑर्गनाइजर' द्वारा यहां आयोजित किये गये 'मंथन: कुंभ और उसके आगे' विषयक कार्यक्रम में अपने संबोधन उन्होंने कहा कि दोनों कृत्य एक ही व्यक्ति द्वारा किए गए थे। संभल में पिछले नवंबर में अदालत के आदेश के बाद एक मस्जिद के सर्वेक्षण के कारण तनाव बना हुआ है। कुछ लोगों का दावा है कि यह मस्जिद एक ध्वस्त मंदिर पर बनाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संभल एक ''ऐतिहासिक सत्य'' का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा,''मैं योगी हूं। मैं हर संप्रदाय, समुदाय और पूजा पद्धति का सम्मान करता हूं। अगर आप गोरखनाथ पीठ जाएं, तो आप देखेंगे कि वहां किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं है। सभी जाति, क्षेत्र और संप्रदाय के लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं। हमारे पूज्य संत, चाहे वे किसी भी धर्म से जुड़े हों, एक साथ बैठकर भोजन करते हैं और उन्हें समान सम्मान मिलता है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, इसलिए मैं कहता हूं कि भारत की वैदिक परंपरा की भावना, जैसा कि उपनिषदों में व्यक्त किया गया है, हमारे अंदर गहराई से समाहित है। पूजा की हर पद्धति, चाहे वह सनातन धर्म से जुड़ी हो या दुनिया के किसी भी अन्य धर्म से, उसमें कुछ अंतर्निहित अच्छाइयां होती हैं, यही वजह है कि इतने सारे लोग उनका पालन करते हैं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को एम्स से छुट्टी मिली

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के स्वास्थ्य में संतोषजनक सुधार के बाद उन्हें बुधवार को यहां स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल ने यह जानकारी दी। अस्पताल ने एक बयान में बताया कि उन्हें हृदय संबंधी बीमारियों के कारण नौ मार्च को एम्स में भर्ती कराया गया था। एम्स–दिल्ली ने कहा, ''एम्स में चिकित्सा टीम से आवश्यक देखभाल मिलने के बाद, उनकी हालत में संतोषजनक सुधार हुआ और 12 मार्च को उन्हें छुट्टी दे दी गई।'' उन्हें अगले कुछ दिन तक पर्याप्त आराम करने की सलाह दी गई है। धनखड़ ने पोस्ट कर एम्स की चिकित्सा टीम का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, ''नौ मार्च को भर्ती होने से लेकर 12 मार्च को छुट्टी मिलने तक एम्स, नई दिल्ली की मेडिकल टीम की अनुकरणीय देखभाल और पेशेवर रवैये की मैं तहे दिल से सराहना करता हूं। उनके समर्पण के कारण मैं जल्द से जल्द ठीक हो पाया।''

सरकार परीक्षाओं का ईमानदारीपूर्वक संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध : सुकांत मजूमदार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने राज्यसभा में कहा कि सरकार परीक्षाओं का निष्पक्ष एवं ईमानदारीपूर्वक संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए व्यवस्था को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। मजूमदार ने प्रश्नकाल के दौरान पिछले साल आयोजित नीट (यूजी) परीक्षा में अनियमितताओं से संबंधित पूरक सवालों के जवाब में उच्चतम न्यायालय के एक आदेश का हवाला देते हुए कहा कि कोई प्रणालीगत विफलता नहीं थी। मामले में सीबीआई जांच करा रही है तथा पेपर लीक होने के मामले में 45 लोगों के खिलाफ पांच आरोप पत्र दायर किए गए हैं। सरकार ने एक नया कानून 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024' पारित किया है और के राधाकृष्णन समिति की कई सिफारिशों को लागू किया है।

'बांग्लादेशी घुसपैठियों' को अलग करके हो परिसीमन : निशिकांत दुबे

संथाल परगना को अलग राज्य बनाया जाए

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में ''बांग्लादेशी घुसपैठियों'' की संख्या में बढ़ोतरी का मुद्दा बुधवार को लोकसभा में उठाया और कहा कि अगला परिसीमन इन्हें अलग करके होना चाहिए क्योंकि इनके कारण आदिवासियों की सीटें जा रही हैं। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाते हुए सरकार से यह आग्रह भी किया कि इस समस्या के समाधान के लिए संथाल परगना को अलग राज्य बनाना चाहिए। दुबे ने कहा कि यदि जरूरत हो तो झारखंड में राष्ट्रपति शासन लगाने पर भी विचार किया जाए। लोकसभा में अक्सर यह मुद्दा उठाने वाले दुबे ने कहा कि यह मुद्दा ''हिंदू–मुसलमान का नहीं है''। उनका कहना था, ''1951 से 2011 के बीच पूरे देश में मुस्लिम आबादी चार प्रतिशत बढ़ी, लेकिन संथाल परगना में 15 प्रतिशत बढ़ी...यह बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण हुआ है।''

रक्षा मंत्रालय ने बीईएल के साथ 2,906 करोड़ रुपए के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए परिवहन योग्य रडार (अश्विनी) की खरीद के लिए सरकारी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ 2,906 करोड़ रुपए के अनुबंध पर बुधवार को हस्ताक्षर किए। इस रडार को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास प्रतिष्ठान द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है। यह रडार उच्च गति वाले लड़ाकू विमानों से लेकर मानवरहित विमानों (ड्रोन) और हेलीकॉप्टरों जैसे धीमी गति से चलने वाले लक्ष्यों पर नजर रखने में सक्षम है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रडार की प्राप्ति से भारतीय वायुसेना की परिचालन तैयारियों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मंत्रालय की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया, ''स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के सरकारी प्रयासों के तहत, रक्षा मंत्रालय ने 2,906 करोड़ रुपए की लागत से 'लो–लेवल ट्रांसपोर्टेबल रडार–एलएलटीआर' (अश्विनी) की खरीद के लिए बीईएल के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।''

ममता ने शुभेंदु की टिप्पणी की निंदा की, भाजपा पर 'फर्जी हिंदुत्व' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी पर मुस्लिम विधायकों के संबंध में उनकी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर बुधवार को निशाना साधा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य में ''फर्जी हिंदुत्व'' लाने का आरोप लगाया।

उन्होंने अल्पसंख्यकों के साथ भाजपा के व्यवहार को लेकर भी चिंता व्यक्त की और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने के लिए विपक्षी पार्टी की आलोचना की। बनर्जी की यह टिप्पणी अधिकारी के उस बयान के जवाब में आई जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि भाजपा सत्ता में आती है तो तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के मुस्लिम विधायकों को विधानसभा से ''बाहर कर दिया जाएगा''।

विधानसभा में इस मुद्दे पर बनर्जी ने कहा, ''आपके आयातित हिंदू धर्म को हमारे प्राचीन वेदों या हमारे संतों का समर्थन नहीं है। आप नागरिक के तौर पर मुस्लिमों के अधिकार को कैसे नकार सकते हैं? यह फर्जीवाड़ा नहीं तो और क्या है? आप फर्जी हिंदुत्व लेकर आए हैं।''बनर्जी ने कहा, ''मुझे हिंदू धर्म की रक्षा करने का अधिकार है लेकिन यह आपके तरीके से नहीं होगा। कृपया 'हिंदू कार्ड' नहीं खेलें।'' मुख्यमंत्री ने अधिकारी के उस बयान पर भी सवाल उठाया जिसमें उन्होंने कहा था कि हिंदू आबादी तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर देगी। उन्होंने कहा, ''आपके नेता यह कैसे कह सकते हैं कि जब मुसलमान जीतेंगे तो आप लोग उन्हें विधानसभा से बाहर कर देंगे? वे 33 प्रतिशत आबादी को कैसे खारिज कर सकते हैं?'' बनर्जी ने मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे नेताओं की विरासत का हवाला देते हुए देश की नीतियों का सम्मान करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''यह एक ऐसा देश है जिसकी अपनी नीतियां हैं और मैं इसके खिलाफ नहीं बोलती।'' राज्य की धार्मिक विविधता पर प्रकाश डालते हुए बनर्जी ने कहा, ''राज्य में हमारे 23 प्रतिशत आदिवासी भाई–बहन हैं, साथ ही मुस्लिमों समेत अन्य समुदाय भी हैं। हम सभी धर्मों की रक्षा और शांति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' उन्होंने धर्म के आधार पर लोगों के बीच विभाजन पैदा करने के किसी भी प्रयास की निंदा करते हुए कहा, ''धर्म के नाम पर छल–कपट न करें। मैं उन लोगों की निंदा करती हूं जो धर्म के आधार पर लोगों को बांटते हैं। वे हिंदू और मुस्लिम की बात करते हैं लेकिन मानवता के सच्चे संदेश को नजरअंदाज करते हैं।''

नीतीश भांग पीकर आते हैं विधानपरिषद में : राबड़ी देवी

पटना/भाषा। बिहार विधानपरिषद में बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रतिपक्ष की नेता राबड़ी देवी के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। नोकझोंक के बाद अन्य विपक्षी सदस्यों के साथ सदन के मुख्य द्वार पर धरना देने पहुंची पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार भंगेड़ी हैं और भांग पीकर सदन में आते हैं। वहीं, उनके (राबड़ी देवी के) बेटे और बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव कुमार को मानसिक रूप से अस्थिर बताते हुए उनके इस्तीफा मांग रहे हैं। विधानपरिषद में यह समस्या तब शुरू हुई जब राजद की सहयोगी भाकपा (माले) की सदस्य शशि यादव सदन के समक्ष यह कहने के लिए कुर्सी से खड़ी हुईं कि वह अपने प्रश्न का सरकार द्वारा दिये उत्तर से संतुष्ट नहीं हैं। विधानपरिषद के सदस्य कुमार ने अपनी सीट बैठे–बैठे ही यह टिप्पणी की कि ''सरकार बहुत कुछ कर रही है। पिछली सरकारों ने कुछ नहीं किया।''

आंगनवाड़ी केंद्रों में पेयजल एवं शौचालयों पर खास ध्यान दिया जाता है : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाली महिलाओं, बच्चों को स्वच्छ जल मुहैया कराए जाने को सरकार की पहली प्राथमिकता बताते हुए महिला और बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने बुधवार को दावा किया कि आंगनवाड़ियों में पेयजल एवं शौचालयों पर खास ध्यान दिया जाता है।

राज्यसभा में भाजपा के एस सेल्वागनबेथी के पूरक प्रश्न के उत्तर में सावित्री ने बताया कि आंगनवाड़ी में आने वाली महिलाओं, बच्चों को स्वच्छ जल मुहैया कराना सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि

आंगनवाड़ियों में पेयजल एवं शौचालयों पर खास ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ियों में शुद्ध पेयजल के लिए आरओ की व्यवस्था की जा रही है ताकि बच्चों, किशोरियों तथा गर्भवती महिलाओं को पीने का साफ पानी मिल सके।

महिला और बाल विकास राज्य मंत्री ने पूरक प्रश्नों के जवाब में बताया कि सभी आंगनवाड़ियों में स्मार्ट फोन उपलब्ध कराया गया है जिनके माध्यम से वहां आने वाली महिलाओं तथा बच्चों की निगरानी की जाती है ताकि जरूरतमंद को सही पोषण दिया जाए। कांग्रेस की रजनी पाटिल ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय बेहद कम है और लंबे समय से इसकी समीक्षा भी नहीं की गई है।

इस पर सावित्री ठाकुर ने कहा कि देश में हर जगह आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका हैं और उनको सरकार हर सुविधा देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि करीब 18,000 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को आयुष्मान भारत योजना से, सहायिकाओं को जीवन ज्योति योजना से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 4,500 रुपए मानदेय तो दिया ही जाता है लेकिन अच्छा काम करने पर उन्हें प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य तक पहुंचेंगे : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को देश में 100 गीगावाट सौर ऊर्जा सहित 222 गीगावाट अक्षय ऊर्जा उत्पादन का उल्लेख करते हुए विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य को जरूर प्राप्त किया जाएगा।

जोशी ने लोकसभा में प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकारों के समय सौर ऊर्जा उत्पादन केवल दो गीगावाट के आसपास था और आज मोदी सरकार में यह 100 गीगावाट के स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि आज देश में सौर ऊर्जा समेत अक्षय ऊर्जा या गैर–जीवाश्म ऊर्जा उत्पादन का स्तर 222 गीगावाट है।

जोशी ने कहा कि केंद्र सरकार अक्षय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में सभी राज्यों के साथ सहयोग करना चाहती है, लेकिन उन्हें आवश्यक अनुपालन

करने होंगे। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने बताया कि इसके अतिरिक्त देश में 180 गीगावाट उत्पादन पर काम हो रहा है और 79.9 गीगावाट उत्पादन के लिए निविदा निकाली जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इस तरह कुला मिलाकर अक्षय ऊर्जा उत्पादन 480 गीगावाट हो जाएगा। उन्होंने कहा, ''सरकार का लक्ष्य 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का है। केंद्र सरकार हर साल 50 गीगावाट उत्पादन के लिए निविदा निकालती है, सभी मुख्यमंत्रियों से बात करती है। इस क्षेत्र में कई विदेशी निवेशक आ रहे हैं।''

जोशी ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि हम 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जरूर प्राप्त कर लेंगे।''

अदाणी समूह के मामले की जांच में देरी हुई, जेपीसी गठित होनी चाहिए : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि मॉरीशस स्थित 'शेल' कंपनियों का उपयोग अदाणी समूह द्वारा कथित तौर पर धनशोधन तथा कर चोरी के लिए किए जाने संबंधी आरोपों की जांच में देरी हुई है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मॉरीशस दौरे की पृष्ठभूमि में लगाया। अदाणी समूह ने पहले कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों को आधारहीन बताकर खारिज किया था। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री इस समय मॉरीशस की यात्रा पर हैं। मॉरीशस एक महत्वपूर्ण वित्तीय केंद्र और भारत का लंबे समय से सहयोगी रहा है। हालांकि, इस संबंध पर उस समय दाग लग गया जब यह विश्वसनीय आरोप सामने आए कि मॉरीशस में स्थित 'शेल' कंपनियों का उपयोग अदाणी और उनके सहयोगियों द्वारा बड़े पैमाने पर धनशोधन, 'राउंड–ट्रिपिंग' और कर चोरी के लिए किया गया।'' उन्होंने कहा, ''उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जारी सेबी की जांच, जिसे मात्र दो महीने में पूरा होना था, वह दो साल तक चली। इस देरी की आंशिक वजह यह भी है कि जांच एजेंसी विदेशी न्यायालयों से आवश्यक जानकारी प्राप्त करने में विफल रही है, जो अदाणी महा–घोटाले से जुड़े हुए हैं।''

राज्यसभा में जद (यू) के संजय झा ने लालू प्रसाद पर कसा तंज, राजद ने जताई आपत्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बुधवार को जनता दल (यूनाइटेड) के संजय कुमार झा ने रेलवे में बदलाव को लेकर हार्वर्ड विश्वविद्यालय में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किए जाने की एक पुरानी घटना का उल्लेख करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद पर तंज कसा और कहा कि आज वह भ्रष्टाचार के एक मामले में जमानत पर हैं। संजय झा की इस टिप्पणी पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सदस्यों ने कड़ी आपत्ति जताई और इसे लेकर सदन में कुछ देर शोरगुल भी हुआ।

रेल मंत्रालय के कामकाज पर राज्यसभा में हुयी चर्चा में भाग लेते हुए जद (यू) सदस्य ने पार्टी प्रमुख और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उपलब्धियों को रेखांकित किया, जब वह रेल मंत्री थे। उन्होंने कहा कि जब भी दो–चार सम्मानित रेल मंत्रियों का जिक्र होगा तो उसमें नीतीश कुमार का नाम अवश्य आएगा। उन्होंने कहा कि उस समय नीतीश कुमार ने रेलवे लाइनों की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाए और उन्हें मजबूत बनाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के तहत बिहार के लिए रेल बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, राज्य को 2025–26 के बजट में 10,000

करोड़ रुपए से अधिक मिले हैं। जद (यू) और राजद बिहार की राजनीति में कट्टर प्रतिद्वंद्वी रहे हैं, भले ही उन्होंने महागठबंधन के हिस्से के रूप में राज्य में सत्ता साझा की है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद प्रमुख का नाम लिए बिना झा ने कहा कि एक पूर्व रेल मंत्री को हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने एक कार्यक्रम के लिए बुलाया था। उन्होंने कहा, ''जो एक बड़ा प्रश्न चिह्न था।'' उन्होंने कहा कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में ऐसे आदमी को बुलाया गया, जिन पर भ्रष्टाचार के मामले में अभी मुकदमा चल रहा है और वह जमानत पर हैं। राजद के मनोज कुमार झा ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए झा की टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई और मांग की कि उन्हें कार्यवाही से निकाल दिया जाना चाहिए। उस समय आसन पर कांग्रेस के राजीव शुक्ला पीठासीन थे। टिप्पणी की जांच की जाएगी और फिर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। हालांकि इससे पहले, शुक्ला ने कहा कि जो व्यक्ति सदन में मौजूद नहीं हैं, उनका नाम नहीं लिया जा सकता है।

रोहित आईसीसी वनडे रैंकिंग में तीसरे पायदान पर पहुंचे

गिल शीर्ष पर बरकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम एकदिवसीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में दो पायदान के सुधार के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए, जबकि उनके सलामी जोड़ीदार शुभमन गिल शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं।

रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में बल्लेबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में 83 गेंदों पर 76 रन की पारी खेल टीम को चार विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की। आठ टीमों के आईसीसी टूर्नामेंट में 218 रन बनाने वाले स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली एक पायदान नीचे खिसककर पांचवें स्थान पर आ गए, जबकि श्रेयस अय्यर आठवें स्थान पर है। रैंकिंग में शीर्ष 10 में चार भारतीय शामिल हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल (एक स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर), रचिन रवींद्र (14 स्थान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर) और ग्लेन फिलिप्स (छह स्थान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर) की तिकड़ी भी रैंकिंग में बड़ा सुधार करने में सफल रही।

न्यूजीलैंड के कप्तान और बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सेंटनर ने वनडे गेंदबाजों की सूची में बड़ा सुधार किया है। फाइनल में दो विकेट के साथ चैंपियंस ट्रॉफी में कुल नौ विकेट लेने वाले सेंटनर छह स्थान के सुधार के साथ दूसरे पायदान पर पहुंच गये। इस सूची में श्रीलंका के ऑफ स्पिनर महीश तीक्षणा शीर्ष पर हैं।

कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी चैंपियंस ट्रॉफी में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद तीन–तीन पायदान ऊपर चढ़कर शीर्ष 10 में पहुंच गयी। बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप (तीसरे स्थान पर) ने टूर्नामेंट में सात विकेट चटकाकर अपने प्रदर्शन में बड़ा सुधार किया है। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के अजेय प्रदर्शन के दौरान पांच विकेट चटकाने वाले बाएं हाथ के स्पिनर जडेजा तीन पायदान ऊपर चढ़कर 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तान के स्टार अजमतुल्लाह उमरजई ने एकदिवसीय हरफनमौला खिलाड़ियों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर अपनी बढ़त बनाए रखी है। उन्हें हालांकि न्यूजीलैंड के तीन खिलाड़ियों से चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। सेंटनर एक पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए जबकि माइकल ब्रेसवेल सात पायदान के फायदे से सातवें स्थान पर हैं। रचिन रवींद्र आठ पायदान चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गए।

पटना में तेज रफ्तार ट्रक ने चरवाहे और 17 भेड़ों को कुचला

पटना/भाषा। पटना जिले के पुनपुन इलाके में बुधवार को एक अज्ञात तेज रफ्तार ट्रक ने एक चरवाहे और उसकी 17 भेड़ों को कुचल दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतक चरवाहे की पहचान मिथिलेश भगत के रूप में हुई है।

मसौढ़ी–2 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) कन्हैया सिंह ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, आज प्रातः पुनपुन थानांतर्गत ग्राम सम्मनचक के पास राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 22 पर एक अज्ञात ट्रक ने एक व्यक्ति एवं उसकी भेड़ों को कुचल दिया। घटना में 10 अन्य भेड़ घायल हो गईं।

उन्होंने बताया कि सूचना पर घटनास्थल पहुंची पुलिस टीम ने पशुपालक पदाधिकारी को सूचित किया एवं मृतक व्यक्ति के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया।

एसडीपीओ ने बताया कि इस मामले में आगे की कार्वाई की जा रही है।

सुविचार

ज्यादातर लोग असफल हो जाते हैं क्योंकि वे दूसरों की नक़ल करते हैं, वे यह नहीं समझ पाते कि सबके प्रश्नपत्र अलग-अलग होते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धधक रहा बलोचिस्तान

पाकिस्तान में बलोच विद्रोहियों ने एक ट्रेन पर जिस तरह हमला कर यात्रियों को बंधक बनाया, उससे एक बार फिर बलोचिस्तान की आज़ादी का मुद्दा सुर्खियों में आ गया है। हालांकि उन्होंने जो तरीका अपनाया, उसके लिए मौजूदा दुनिया में स्वीकार्यता कम है। इसका दूसरा पहलू यह है कि बलोच विद्रोहियों को ऐसी कार्रवाई करने के लिए पाकिस्तानी फौज ने ही मजबूर किया है। जब से पाकिस्तान बना है, बलोच अवाम का जीना दूभर हो गया है। बेशकीमती खनिजों से मालामाल उस इलाके पर पाकिस्तानी फौज ने अपने पंजे जमा रखे हैं। बलोचिस्तान की दौलत लूटकर फौजी अफसर करोड़पति-अरबपति हो गए हैं। उसकी जमीन से निकलने वाली गैस से चूल्हे जलाकर इस्लामाबाद, लाहौर, कराची, पेशावर जैसे शहरों में पकवान बनाए जा रहे हैं, जबकि बलोचिस्तान की महिलाएं आज भी लकड़ी के चूल्हे जलाने को मजबूर हैं। फौजी अफसरों और नेताओं ने बलोचिस्तान को लूटने के अनेक तरीके ढूंढ़ रखे हैं। इससे बलोच अवाम में विद्रोह की भावना पैदा होना स्वाभाविक है। बलोच विद्रोहियों द्वारा ट्रेन हमले की उक्त घटना में कितने लोग मारे गए, इसके आंकड़े को लेकर मीडिया में अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। हालांकि सच्चाई यह है कि पाकिस्तानी फौज सही आंकड़े बाहर नहीं आने देगी। उसके झूठ का पर्दाफाश इसी खबर से हो जाता है कि बलोच नेताओं ने 200 ताबूतों के भेजे जाने की बात कही है। जाहिर है कि बलोच विद्रोहियों के हमले में बहुत बड़ी संख्या में लोगों की जान गई है। इससे आईएसआई की क्षमताओं पर सवाल उठने लगे हैं। जिस एजेंसी के बारे में यह कहा जाता है कि उसका नेटवर्क पाकिस्तान के चप्पे-चप्पे तक पसरा हुआ है, वह बलोच विद्रोहियों के मंसूबे नहीं भांप पाई!

बलोचिस्तान के जिस इलाके में विद्रोहियों ने ट्रेन पर कब्जा किया, वहां लगभग डेढ़ दर्जन सुरंगें हैं। उनसे गुजरते हुए ट्रेन की रफ्तार कुछ धीमी होती है। विद्रोहियों को इसकी पूरी जानकारी थी। उन्होंने सुनियोजित तरीके से कार्रवाई को अंजाम दिया। इन विद्रोहियों ने आत्मघाती जैकेट पहन रखी थीं, जिससे पता चलता है कि ये बचकर निकलने के लिए नहीं, बल्कि मरने और मारने के लिए ही आए थे। बलोचिस्तान में हजारों लोग 'लापता' हैं। वे जिंदा हैं या मुर्दा, स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस, अदालत, फौज ... उनके परिवारों की कहीं सुनवाई नहीं है। माना जाता है कि 'लापता' लोग अब इस दुनिया में नहीं हैं। पाकिस्तानी फौज ने उनकी हत्या कर दी। बलोच अवाम का साजिशन खात्मा पाकिस्तानी फौज की एक 'रणनीति' है, ताकि बलोचिस्तान में संसाधनों की लूट के दौरान किसी तरह के प्रतिरोध का सामना नहीं करना पड़े। इसी सिलसिले में अकबर बुगती, करीमा बलोच समेत कई नेताओं को मौत के घाट उतार दिया गया। इससे बलोचिस्तान में आज़ादी की लहर कमजोर नहीं पड़ी, बल्कि और ज्यादा ताकतवर होकर लौटी। बलोच अवाम के पास भले ही कम संसाधन हैं, उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई खास सहयोग नहीं मिल रहा है, बलोचिस्तान की भौगोलिक सीमाएं ऐसी हैं कि उसे बाहर से सशस्त्र सहायता नहीं मिल रही है, इसके बावजूद आज़ादी के लिए लोगों का जज्बा कम नहीं हुआ है। वास्तव में बलोच सिर्फ अपनी आज़ादी की नहीं, अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। एक ओर वहां पाकिस्तानी फौज ने लूटमार मचा रखी है, दूसरी ओर चीन अपना शिकंजा कसता जा रहा है। चूंकि पाकिस्तान पर चीन का भारी-भरकम कर्ज है, जिसे ब्याज समेत चुकाना उसके बूते से बाहर है। पाकिस्तानी फौज एक फॉर्मूले के तहत बलोचिस्तान में चीन की 'मदद' कर रही है। इससे वहां ड्रैगन द्वारा लूटमार का रास्ता साफ होगा। बलोच यह बात बहुत पहले भांप चुके थे। वे जानते हैं कि इससे उनके संसाधन और ज्यादा तेजी से खत्म होंगे। वहां हाल के वर्षों में चीनी नागरिकों पर खूब हमले हुए हैं। बलोचिस्तान जिस ज्वाला से धधक रहा है, उसकी लपटों से रावलपिंडी और इस्लामाबाद कब तक बचे रहेंगे? पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों और नेताओं को चाहिए कि वे बलोच अवाम के साथ बैठें और उनकी समस्याओं का समाधान करें। अगर वे अब भी इस मुद्दे की अनदेखी करते रहेंगे तो भविष्य में पाकिस्तान का एक और विभाजन होना तय है।

ट्वीटर टॉक

भारत और मॉरीशस का संबंध केवल हिंद महासागर से ही नहीं, बल्कि हमारी साझी सांस्कृतिक परंपराओं और मूल्यों से भी जुड़ा है। हम आर्थिक और सामाजिक प्रगति की राह पर एक दूसरे के साथी हैं। पिछले 10 वर्षों में हमने अपने संबंधों में कई नए आयाम जोड़े हैं।

–नरेन्द्र मोदी

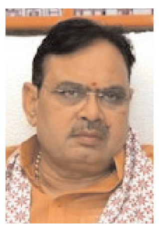

'दांडी यात्रा दिवस' के अवसर पर दांडी यात्रा में भाग लेने वाले सभी सत्याग्रहियों को मेरा कोटिशः नमन। आज के ही दिन 12 मार्च 1930 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने अंग्रेज़ी सरकार के अन्यायपूर्ण नमक कर के विरुद्ध दांडी यात्रा की ऐतिहासिक शुरुआत की थी।

–भजनलाल शर्मा

आज सचिवालय में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों से बैठक कर विभाग की सभी बजट घोषणाओं की प्रगति व क्रियान्वयन एवं अन्य योजनाओं को लेकर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना के संबंध में भी चर्चा हुई।

–दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

जोखिम से समृद्धि

एक बार की बात है, धरती की गोद में दो बीज आ पड़े। कोमल मिट्टी ने उन्हें स्नेहपूर्वक ढक लिया। प्रातःकाल जब सूरज की पहली किरण ने धरती को स्पर्श किया तो दोनों बीजों की चेतना जागृत हुई। उनमें से एक बीज में अंकुर फूटने लगे। वह धीरे-धीरे ऊपर की ओर बढ़ने लगा। तभी पास ही पड़ा दूसरा बीज भयभीत स्वर में बोला'भैया, ऊपर मत जाना! वहां बड़ा जोखिम हो सकता है। यहां नीचे ही सुरक्षित रहो।' पहला बीज अपने छोटे भाई की बात सुनता रहा, किंतु उसने रुकने का नाम नहीं लिया। वह मिट्टी की परतों को चीरकर ऊपर निकल आया। बाहर का संसार अनोखा था। सूर्य की किरणों ने उसे ऊर्जा दी, वायु ने थपकियां देकर उसे सहलाया, वर्षा ने उसे अमृत समान जल से सींचा। धीरे-धीरे बीज पौधा बना, फिर वृक्ष। वह झूमता, लहलहाता, खिलता और फलता गया। उसकी शाखाओं पर पक्षी बसेरा करने लगे, उसकी छाया में पथिक विश्राम करने लगे, उसकी डालियों पर फूल खिले और उसके फलों से असंख्य नए बीज उत्पन्न हुए। समय बीतता गया, एक दिन वह वृक्ष भी प्रकृति के नियम के अनुसार इस संसार से आत्मसंतोष के साथ विदा हो गया।

सामयिक

होली पर वास्तविक सद्भावना के रंग भरे जाएं

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

होली एक ऐसा त्योहार है, जिसका धार्मिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक-आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं की रोशनी में होली के त्योहार का विराट समायोजन बदलते परिवेश में विविधताओं का संगम बन गया है, दुनिया को जोड़ने का माध्यम बन गया है। हमारी संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है कि यहाँ पर मनाये जाने वाले सभी त्योहार समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। वस्तुतः होली आनंदोल्लास का पर्व है। होली प्रेम, आपसी सद्भाव और मस्ती के रंगों में सराबोर हो जाने का अनूठा त्यौहार है। यद्यपि आज के समय की गहमागहमी, मेरे-तेरे की भावना, भागदौड़ से होली की परम्परा धुंधली हो रही है। परिस्थितियों के थपेड़ों ने होली की खुशी को प्रभावित भी किया है, फिर भी जिन्दगी जब मस्ती एवं खुशी को स्वयं में समेटकर प्रस्तुति का बहाना मांगती है तक प्रकृति हमें होली जैसा रंगारंग त्योहार देती है। होली ही एक ऐसा त्योहार है, जिसके लिये मन ही नहीं, माहौल भी तत्पर रहता है। इस त्योहार की गौरवमय परम्परा को अक्षुण्ण रखते हुए हम एक सचेतन माहौल बनाएं, जहां हम सब एक हो और मन की गन्दी परतों को उतार फेंके ताकि अविभक्त मन के आईने में प्रतिबिम्बित सभी चेहरे हमें अपने लगें। प्रदूषित माहौल के बावजूद जीवन के सारे रंग फीके न पड़ पाए।

एक तरह से देखा जाए तो यह उत्सव प्रसन्नता को मिल-बांटने का एक अपूर्व अवसर होता है। होली की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसको मनाते हुए हम समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। इस त्योहार को मनाने के पीछे की भावना है मानवीय गरिमा को समृद्धि प्रदान करना, जीवनमूल्यों की पहचान को नया आयाम प्रदत्त करना। हम कितने भोले हैं कि अपनी संस्कृति एवं आदर्श परम्पराओं को हमीं मिटा रहे हैं। स्वयं अपना घर जला कर स्वयं तमाशा बन रहे हैं। आखिर हमीं तो वे लोग हैं जिन्होंने देश की पवित्र जमीं के नीचे हिंसा, अन्याय, शोषण, आतंक, असुरक्षा, अपहरण, भ्रष्टाचार, अराजकता, अत्याचार जैसे घिनौने तत्वों की गहरी और लम्बी सुरंगें बिछाकर उन पर अपने स्वार्थों का बारूद फैला दिया बिना कोई परिणाम सोचे, बिना भविष्य की संभावनाओं को देखे। इन अंधेरों एवं जटिल हालातों के बीच होली जैसे त्योहार हमारी रोशनी की इंजतार एवं उजालों की कामना को पूरा करने के लिये हमें तत्पर करते हैं।

होली जैसे त्यौहार में जब अमीर-गरीब, छोटे-बड़े, ब्राह्मण-शूद्र आदि सब का भेद मिट जाता है, तब ऐसी भावना करनी चाहिए कि होली की अग्नि में हमारी समस्त पीड़ाएँ, दुःख, चिंताएँ, द्वेष-भाव आदि जल जाएँ तथा जीवन में प्रसन्नता, हर्षोल्लास तथा आनंद का रंग बिखर जाए। होली का कोई-न-कोई संकल्प हो और यह संकल्प हो सकता है कि हम स्वयं शांतिपूर्ण जीवन जीये और सभी के लिय बदलती युग-सोच एवं जीवनशैली से होली त्यौहार के रंग भले ही फीके पड़े हैं या मेरे-तेरे की भावना, भागदौड़, स्वार्थ एवं संकीर्णता से होली की परम्परा में धुंधलका आया है।

होली के साथ यदि पवित्रता की विरासत का जुड़ाव होता है तो इस पर्व की महत्ता शतगुणित हो जाती है। प्रश्न है कि प्रसन्नता का यह आलम जो होली के दिनों में जुनून बन जाता है, कितना स्थायी है? डफली की धुन एवं डांडिया रास की झंकार में मदमस्त मानसिकता ने होली जैसे त्योहार की उपादेयता को मात्र इसी दायरे तक सीमित कर दिया, जिसे तात्कालिक खुशी कह सकते हैं, जबकि अपेक्षा है कि रंगों की इस परम्परा को दीर्घजीविता प्रदान की जाए। स्नेह और सम्मान का, प्यार और मुहब्बत का, मैत्री और समरसता का ऐसा शमां बांधना चाहिए कि जिसकी बिसात पर मानव कुछ नया भी करने को प्रेरित हो सके। होली का त्योहार असत्य पर सत्य की विजय' और दुराचार पर सदाचार की विजय' का प्रतीक है। इस प्रकार होली का पर्व सत्य, न्याय, भक्ति और विश्वास की विजय तथा अन्याय, पाप तथा राक्षसी वृत्तियों के विनाश का भी प्रतीक है। फाल्गुन मास और होली की परम्पराएँ श्रीकृष्ण की लीलाओं से सम्बद्ध हैं और भक्त हृदय में विशेष महत्व रखती हैं। श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर होकर होली का रंगभरा और रंगीनीभरा त्यौहार मनाना एक विलक्षण अनुभव है। होली जैसे त्यौहार में जब अमीर-गरीब, छोटे-बड़े, ब्राह्मण-शूद्र आदि सब का भेद मिट जाता है, तब ऐसी भावना करनी चाहिए कि होली की अग्नि में हमारी समस्त पीड़ाएँ, दुःख, चिंताएँ, द्वेष-भाव आदि जल जाएँ तथा जीवन में प्रसन्नता, हर्षोल्लास तथा आनंद का रंग बिखर जाए। होली का कोई-न-कोई संकल्प हो और यह संकल्प हो सकता है कि हम स्वयं शांतिपूर्ण जीवन जीये और सभी के लिय बदलती युग-सोच एवं जीवनशैली से होली त्यौहार के रंग भले ही फीके पड़े हैं या मेरे-तेरे की भावना, भागदौड़, स्वार्थ एवं संकीर्णता से होली की परम्परा में धुंधलका आया है। इस त्योहार की गौरवमय परम्परा को अक्षुण्ण रखते हुए हम एक उन्नत आत्म उन्नयन एवं सौहार्द का माहौल बनाएं, जहां हमारी संस्कृति एवं जीवन के रंग खिलखिलाते हुए देश ही नहीं, दुनिया में अहिंसा, प्रेम, भाई-चारे, साम्प्रदायिक सौहार्द के रंग बिखेरे। पर्यावरण के प्रति उपेक्षा एवं प्रदूषित माहौल के बावजूद जीवन के सारे रंग फीके न पड़ पाए।

होली रंगों का निराला एवं अनूठा पर्व है और हमारा जीवन ढेर सारे रंगों का एक पिटारा है। यहां हर रंग जुदा है तो दूसरों से मिला हुआ भी। एक रंग, दूसरे से मिलकर तेजी से नया ही रंग-रूप धर लेता है। किसी एक पर अटके रहकर काम चल ही नहीं सकता। यही जीवन लीला है। पर क्या दूसरों के रंगों को अपने में समा लेना आसान होता है? रंगों को कोई तो कैनवस चाहिए ही ना! संकल्प हो तो कितने रंग खिल सकते हैं? सच यह है कि ना ही दूसरों को अपना बनाना आसान है और ना ही दूसरों का होकर रह पाना। जीवन को हर रंग में जीने और स्वीकारने की कला सबको नहीं आती। उसके लिए जरूरत होती है, एक मस्तमौला नजरिए की। समुद्र से मिलने को तत्पर, मीलों बहती रहने वाली नदी की ऊर्जा का। ऊर्जा और आनंद के इसी मेल का प्रतीक है होली का त्यौहार, जो लगातार बदलते रहने के बावजूद बना रहता है, ध्रुव है, सत्य है। जितने रंग प्रकृति के हैं, उतने ही हमारे हैं और प्रकृति हर पल रंग बदलती है। पुरानी पत्तियां शाख छोड़ती नहीं हैं कि नई खिलनी शुरू हो जाती हैं। पतझड़ और बसंत साथ ही चलते रहते हैं। धरती के भीतर के घुप अंधेरों को चीर कर बाहर निकला बीज, फूल, शाख, पत्तियां और फल के रंग धर लेता है। उगने, डूबने, खिलने, फैलने, मिलने, सूखने, झड़ने, चढ़ने, उतरने और खत्म होने का हर रंग प्रकृति में है और है होली के मनभावन पर्व में। पर प्रकृति हो या होली इनसे उदासीन हम, कुछ ही रंगों में सिमट जाते हैं। गिले-शिकवों, उदासी, तेरे-मेरे, क्रोध और कुंठा में ही अटक जाते हैं। नतीजा, जिंदगी में तनाव और उदासी घिरने लगती है।

हम भी भविष्य की अनगिनत संभावनाओं को साथ लिए आओ फिर से जीवन में सच्चाई का रंग भरने का प्राणवान संकल्प करें। होली के लिए माहौल भी चाहिए और मन भी चाहिए, ऐसा मन जहाँ हम सब एक हों और मन की गंदी परतों को उखाड़ फेकें ताकि अविभक्त मन के आइने में प्रतिबिम्बित सभी चेहरे हमें अपने लगें। कलाकार एमी ग्रेंट के अनुसार, काला रंग गहराई देता है। इसे मिलाए बिना किसी वास्तविकता को रचा नहीं जा सकता।' जीवन में सुख-दुख दोनों हैं। दोनों एक-दूसरे में बदलते रहते हैं। हमें सुख अच्छा लगता है और दुख में हम घबरा उठते हैं। सारी कोशिशें ही दुखों से बचने की होती हैं। होली का अवसर भी सारे दुःखों को भूलकर स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार का अवसर है, राग-रंग से परे होकर स्वयं को रंगना एवं दूसरों को रंग लगाना ही होली है, होली न सिर्फ बाहर से बल्कि भीतर से रंग जाने, आध्यात्मिक एवं पवित्र हो जाने की सीख है, होली दिलों से जुड़ी भावनाओं का पर्व है। यह मन और मस्तिष्क को परिष्कृत करने का अनुष्ठान है।

नजरिया

रंगों से रिश्तों में होगी नई ताजगी

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

रंगों का त्योहार होली भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है, जो न केवल उल्लास और उमंग का प्रतीक है, बल्कि यह जीवन में नवीनता और ताजगी का संदेश भी देता है। यह त्योहार केवल रंग खेलने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे संबंधों में आई दूरियों को मिटाने, कटुता को समाप्त करने और नए सिरे से रिश्तों को संवारने का अवसर भी प्रदान करता है। आधुनिक जीवन की भागदौड़, अहंकार, गलतफहमियाँ और संदेह कई बार हमें अपने प्रियजनों से दूर कर देते हैं, लेकिन होली हमें यह सिखाती है कि प्रेम, अपनापन और क्षमा से हर मनमुटाव का समाधान संभव है। जब हम होली के रंगों में सराबोर होते हैं, तो यह हमें एक नई ऊर्जा और सकारात्मकता से भर देता है। यह त्योहार हमारे रिश्तों को पुनर्जीवित करने और उनमें नवीनता लाने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

रंगों का हमारे जीवन और मनोविज्ञान पर गहरा प्रभाव पड़ता है। प्रत्येक रंग का अपना अलग महत्व और प्रभाव होता है। लाल रंग प्रेम और ऊर्जा का प्रतीक है, तो पीला रंग सौहार्द और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। हरा रंग समृद्धि और नई शुरुआत का प्रतीक होता है, जबकि नीला रंग विश्वास और गहराई को दर्शाता है। जब हम होली पर एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो यह प्रतीकात्मक रूप से मन के पूर्वाग्रहों को धोने और संबंधों को एक नई दिशा देने का प्रयास होता है। यह त्योहार हमें यह सिखाता है कि जीवन में खुशियों के रंग तभी खिलते हैं जब हम दूसरों के प्रति दयालुता, क्षमा और प्रेम का भाव रखते हैं। होली का त्योहार यह संदेश देता है कि हम अपने मन के अंदर के नकारात्मक विचारों को दूर करके, संबंधों को मधुरता और सौहार्द के रंगों से रंग सकते हैं।

रिश्तों में खटास आना स्वाभाविक है, लेकिन इसे सुधारने का प्रयास न करना हमारे रिश्तों को और अधिक कमजोर बना देता है। होली का अवसर हमें इन दीवारों को तोड़ने और प्रेम व सौहार्द के पुल बनाने का मौका देता है। अहंकार सबसे बड़ा कारण होता है, जो हमें माफी मांगने या क्षमा करने से रोकता है। यह अहंकार धीरे-धीरे संबंधों को इतना कमजोर कर देता है कि लोग एक-दूसरे से दूर हो जाते हैं। होली का संदेश यही है कि हम अपने अहंकार को त्यागकर सबसे प्रेमपूर्वक मिलें। जब हम रंगों में सराबोर होकर अपने प्रियजनों के पास जाते हैं और उन्हें रंग लगाते हैं, तो यह हमारे मन के अंदर की कठोरता और अहंकार को दूर करने का प्रतीक होता है। यह त्योहार हमें यह अवसर प्रदान करता है कि हम अपने पुराने गिले-शिकवे भूलकर, दिल से क्षमा मांग सकते हैं या किसी को माफ कर सकते हैं।

कई बार परिवार के सदस्यों, दोस्तों या जीवनसाथी के बीच संवादहीनता आ जाती है, जिससे गलतफहमियाँ बढ़ जाती हैं। होली का अवसर बातचीत शुरू करने के लिए आदर्श होता है। बुरा न मानो होली है का सिद्धांत अपनाकर हम उन बातों को हल्के-फुल्के अंदाज में साझा कर सकते हैं, जो लंबे समय से हमारे मन में दबी हुई थीं। एक गुलाल का टीका और प्रेमभरा आलिंगन पुरानी दूरियों को मिटाने में मदद कर सकता है। संवादहीनता अक्सर छोटी-छोटी गलतफहमियों को जन्म देती है, जिससे रिश्तों में दरार आने लगती है। लेकिन होली का पर्व हमें यह सिखाता है कि हम अपने मन की गांठों को खोलें और पुनः संवाद स्थापित करें।

आज की तेज़ी से बदलती दुनिया में पीढ़ियों के बीच वैचारिक अंतर बढ़ता जा रहा है। युवा और बुजुर्ग पीढ़ी के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन इसे हल करने का प्रयास न करना संबंधों को कमजोर बना सकता है। होली एक ऐसा अवसर है जब बुजुर्ग और युवा एक साथ रंगों में सराबोर होते हैं, जिससे औपचारिकता की दीवारें टूट जाती हैं और सहज संवाद संभव हो जाता है। यह त्योहार परिवार में सामंजस्य और आपसी समझ बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। जब परिवार के सभी सदस्य एक साथ बैठकर रंग खेलते हैं, गीत गाते हैं और पारंपरिक भोजन का आनंद लेते हैं, तो इससे पारिवारिक संबंध मजबूत होते हैं। होली का यह संदेश हमें यह सिखाता है कि हम अपनी पीढ़ीगत दूरियों को समाप्त करें और आपसी सौहार्द बढ़ाएं।

पति-पत्नी का रिश्ता बेहद संवेदनशील होता है। छोटी-छोटी बातों पर मनमुटाव होना स्वाभाविक है, लेकिन इसे समय पर हल न करना रिश्ते को बोझिल बना सकता है। होली का त्योहार दोनों को फिर से करीब आने और अपने प्रेम को नए सिरे से अनुभव करने का मौका देता है। एक-दूसरे को रंग लगाते समय मन के सारे गिले-शिकवे धुल सकते हैं, और संबंधों में नई मिठास आ सकती है। यह त्योहार दांपत्य जीवन में प्रेम, समझ और सामंजस्य को बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। जब पति-पत्नी होली पर एक-दूसरे को रंग लगाकर गिले-शिकवे भुलाते हैं, तो यह उनके रिश्ते को और अधिक मजबूत बना देता है। कुछ दोस्ती समय के साथ खो जाती हैं या किसी छोटी-सी गलतफहमी के कारण दूरी आ जाती है। होली पर एक रंग भरी पुड़िया या स्नेहभरा संदेश पुराने दोस्तों को फिर से जोड़ सकता है। यह त्योहार हमें मित्रता का नया रंग देने का अवसर प्रदान करता है। मित्रता एक ऐसा रिश्ता होता है, जिसमें कभी-कभी छोटी-छोटी बातों पर मनमुटाव हो जाता है, लेकिन होली का त्योहार हमें यह सिखाता है कि हम अपने अहंकार और पूर्वाग्रह को छोड़कर मित्रता को पुनर्जीवित करें। यह त्योहार हमें यह प्रेरणा देता है कि हम अपने पुराने दोस्तों से फिर से जुड़ें और अपनी दोस्ती में नई ताजगी लाएं।

भारतीय संस्कृति में होली को केवल रंगों का खेल नहीं माना जाता, बल्कि यह सामाजिक समरसता और सौहार्द का प्रतीक भी है। यह त्योहार जाति, धर्म, वर्ग और समाज के बंधनों को तोड़कर सभी को समानता के सूत्र में बांधता है। इस दिन राजा-रंक, अमीर-गरीब, ऊँच-नीच सभी भेदभाव भूलकर एक-दूसरे के साथ आनंद मनाते हैं। यही संदेश हमारे व्यक्तिगत रिश्तों पर भी लागू होता है– हम अपने अहं को भूलकर, अपने पूर्वाग्रहों को छोड़कर, प्रेम से मिलें और संबंधों में नवीनता लाएँ। यह त्योहार हमें यह सिखाता है कि हमें अपने मन के अंदर के नकारात्मक विचारों को दूर करके प्रेम, अपनापन और सौहार्द का मार्ग अपनाना चाहिए। होली के इस पावन पर्व पर हमें अपने रिश्तों को सुधारने और उनमें नई ताजगी लाने के लिए कुछ व्यावहारिक उपाय अपनाने चाहिए। सबसे पहले, हमें माफी माँगने और क्षमा करने की पहल करनी चाहिए। अगर किसी से मनमुटाव हो गया है, तो होली पर पहला कदम उठाने से न हिचकें। यह एक ऐसा दिन है जब गिले-शिकवे आसानी से भुलाए जा सकते हैं। दूसरा, हमें व्यक्तिगत मुलाकात करने का प्रयास करना चाहिए। फोन या संदेश भेजने के बजाय, जिनसे दूरी हो गई है, उनसे मिलकर होली मनाएँ। आमने-सामने मिलने से संवाद अधिक प्रभावी होता है। तीसरा, परिवार के साथ समय बिताने का प्रयास करें। होली के दौरान परिवार के साथ पारंपरिक खेल, गीत-संगीत और खानपान में भाग लें। इससे संबंधों में घनिष्ठता बढ़ती है। चौथा, उपहार और स्नेह का आदान-प्रदान करें। होली पर उपहारों और मिठाइयों का आदान-प्रदान संबंधों को पुनर्जीवित करने का एक सुंदर तरीका हो सकता है। अंततः, हमें आत्मचिंतन करना चाहिए और यह देखना चाहिए कि किन कारणों से हमारे रिश्ते कमजोर पड़े हैं। स्वयं में बदलाव लाना भी रिश्तों को सुधारने का एक महत्वपूर्ण कदम है।

होली का पर्व हमें यह सिखाता है कि जीवन में रंग तभी खिलते हैं, जब हम अपने रिश्तों को प्रेम, विश्वास और क्षमा के रंगों से सजाते हैं। यह त्योहार हमें अहंकार छोड़ने, संवाद को पुनर्जीवित करने और रिश्तों को एक नई दिशा देने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोलकाता के मैदान में होली के जश्न में रंग-बिरंगे रंगों से खेलती एक महिला।

योगी ने मज़ाकिया अंदाज़ में किया कटाक्ष

बेलन की मार से बचने के लिए लोग रहते हैं अविवाहित

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को केंद्र की उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर रिफिल करने के सिलसिले में सब्सिडी के वितरण के लिए यहां आयोजित एक कार्यक्रम में अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगी और वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश कुमार खन्ना पर मज़ाकिया अंदाज़ में कटाक्ष किया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक द्वारा पूर्व में गैस सिलेंडर का कनेक्शन हासिल करने में होने वाली कठिनाइयों का जिक्र किए जाने की तरफ इशारा करते हुए मजाकिया अंदाज में कहा कि कई लोग रसोई गैस खत्म होने के घरेलू नतीजों से बचने के लिए अविवाहित रहना चुनते हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के अविवाहित 71 वर्षीय वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना की ओर इशारा करते हुए चुटकी ली,'''खन्ना जी यहां बैठे हैं। बेचारे! उन्हें पता था कि अगर त्योहारों के दौरान मेहमान आ गए और गैस सिलेंडर खत्म हो गया, तो यह शर्मिंदगी की बात होगी। भोजन और त्योहार के व्यंजन कैसे बनेंगे? इसीलिए लोग चिंता में रहते थे।'' आदित्यनाथ ने कहा, ''पहले, स्थिति ऐसी थी कि गैस कनेक्शन या सिलेंडर मिलना लगभग असंभव था। बहुत से लोग जानते थे कि उन्हें गैस कनेक्शन नहीं मिलेगा और घर पर उन्हें बेलन से पीटा जाएगा। इसलिए, कुछ लोगों ने शादी ही नहीं करने का फैसला किया।''

अपने व्यंग्य को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री ने याद किया कि कैसे गैस सिलेंडर की व्यवस्था करने के लिए बाहर जाने वाले लोगों को या तो राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करने पर पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ता था या घर पर डांट खानी पड़ती थी।

मुख्यमंत्री ने कहा,''अगर आप नेता की तरह काम करने और सिलेंडर लेने की कोशिश करते थे, तो पुलिस आपको डंडों से पीटती थी। अगर ऐसा नहीं होता, तो आपको घर पर डांट पड़ती थी।'' उन्होंने कहा कि दोनों से बचने के लिए कुछ लोग अविवाहित ही रहे।

नौ बार विधायक रहे और वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार में वित्त और संसदीय मामलों के मंत्री खन्ना इस टिप्पणी पर अपनी हंसी रोक नहीं पाये और कार्यक्रम में मौजूद बाकी लोग भी हंस पड़े।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को कार्यक्रम के दौरान उज्ज्वला योजना के तहत 1.86 करोड़ पात्र परिवारों को सब्सिडी देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत 1,890 करोड़ रुपए सब्सिडी के रूप में सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे गए। यहां मुख्यमंत्री ने 10 महिला लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक वितरित किए। उन्होंने कहा,''पहले गैस कनेक्शन रिश्वत देकर मिलता था, अब यह मुफ्त में मिल रहा है, होली और दिवाली पर सिलेंडर भी मुफ्त है।''

भीड़

पटना रेलवे स्टेशन पर होली के त्यौहार से पहले भारी भीड़ के बीच यात्री ट्रेन में चढ़ते हुए।

मोदी दुनिया के अभूतपूर्व नेता के रूप में उभरे, 21 देशों ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा: भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि 21 देशों ने अब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा है, जिससे यह साबित होता है कि वह दुनिया के एक 'अभूतपूर्व नेता' के रूप में उभरे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी को बुधवार को मॉरीशस के सर्वोच्च सम्मान 'द ग्रांड कमांडर ऑफ ऑर्डर ऑफ स्टार एंड की ऑफ इंडियन ओशन' से सम्मानित किया गया जिसे उन्होंने दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक बताया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अब तक 21 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिल चुका है, जो दुनिया में एक अभूतपूर्व नेता के रूप में उभरे हैं। हाल ही में बारबाडोस ने उन्हें अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया था।'' उन्होंने कहा कि इन 21 देशों में रूस, फ्रांस, अमेरिका और नौ मुस्लिम देश शामिल हैं। त्रिवेदी ने कहा, ''इससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया के विभिन्न देशों के साथ हमारे संबंध आर्थिक, सैन्य या कूटनीतिक पहलुओं के उपयोगिता कारक से आगे निकल गए हैं।'' उन्होंने कहा, ''अब हम एक अलग स्तर पर पहुंच गए हैं जहां विभिन्न देश भारत के प्रति बेहद सकारात्मक, भावनात्मक जुड़ाव और सम्मान महसूस कर रहे हैं।''

भाजपा नेता ने कहा कि यह देश के 140 करोड़ लोगों के लिए गर्व का विषय है।

त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को 2018 में संयुक्त राष्ट्र चैंपियंस ऑफ अर्थ पुरस्कार और सियोल शांति पुरस्कार सहित कई अन्य अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। उन्होंने कहा, ''विश्व बंधुत्व की हमारी शाश्वत अवधारणा में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत का इस तरह नेतृत्व किया है कि पूरी दुनिया भारत को 'विश्व मित्र' के रूप में देख रही है।'' त्रिवेदी ने कहा, ''यह हम सभी भारतीयों के लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम न केवल दुनिया के लिए आशा की किरण और विश्व के विकास इंजन के चालक बन रहे हैं, बल्कि अधिकतर देशों के लिए आकर्षण का एक स्नेही बिंदु भी बन रहे हैं।''

कांग्रेस चुनाव के लिए काम करती है, मोदी लोगों की भूख मिटाने के लिए : प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस जो भी करती है सिर्फ चुनाव के लिए करती है, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार लोगों की भूख मिटाने के लिए काम करती है।

जोशी ने लोकसभा में प्रश्नकाल में कांग्रेस सदस्य प्रणीति शिंदे के पूरक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना को पूर्ववर्ती संप्रग सरकार में लाया गया था और यह पार्टी नेता सोनिया गांधी की सोच पर आधारित थी। उन्होंने महाराष्ट्र में इस योजना के तहत पिछले दस साल से राशन नहीं दिए जाने का आरोप लगाते हुए पूछा कि जिन बीड़ी कामगार, किसानों आदि के हाथ में छाले आदि होने की वजह से बायोमेट्रिक पंजीकरण नहीं हो पाता, क्या उन्हें ऑफलाइन तरीके से राशन देने का कोई प्रावधान है?

जोशी ने कहा, ''2013 में तत्कालीन संप्रग सरकार ने चुनाव आने के कारण हड़बड़ी में खाद्य सुरक्षा कानून पारित किया था, लेकिन इसके नियम भी नहीं बनाए थे और एक भी राज्य उसमें जोड़ा नहीं गया था।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद इस योजना में राज्यों को जोड़ा गया। यह सरकार 81 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रही है। कांग्रेस केवल चुनाव के लिए ऐसा करती है। ये लोग जो भी करते हैं सिर्फ और सिर्फ चुनाव के लिए करते है। मोदी जी लोगों की भूख मिटाने के लिए काम करते हैं।'' उन्होंने ई-श्रम पोर्टल से संबंधित एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार राज्यों से इसके तहत पंजीकरण कराने को कहा गया है और ई-केवाईसी किया जा रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जोशी से कहा, ''राज्य सरकारें ई-श्रम पोर्टल पर दिशानिर्देशों का अनुकरण नहीं कर रही हैं। आप उन्हें दोबारा दिशानिर्देश दें।''

मैं ऐश्वर्या राय बच्चन को अपना आदर्श मानती हूं: विप्रा मेहता

मुंबई/भाषा। 'लीवा मिस दिवा कॉस्मो- 2024' प्रतियोगिता का खिताब जीतने वाली विप्रा मेहता ने अपनी इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि अगर वह कभी बॉलीवुड में कदम रखेंगी तो पूर्व 'मिस वर्ल्ड' ऐश्वर्या राय बच्चन के नक्शेकदम पर चलना चाहेंगी।

राजस्थान के उदयपुर की निवासी मेहता ने पिछले सप्ताह 'लीवा मिस दिवा 2024' के फाइनल में यह खिताब जीता था और वह पहले से ही सात राजस्थानी फिल्मों और दो धारावाहिकों में काम कर चुकी हैं।

मेहता ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''ऐश्वर्या राय एक ऐसी शख्सियत हैं, जिन्हें मैं अपना आदर्श मानती हूं...1994 में 'मिस वर्ल्ड' का खिताब जीतने के बाद जब उन्होंने बोलना शुरू किया तो उनके चेहरे पर शालीनता और संतुलन था।

सोनी लिव ने रिलीज किया 'चमक 2 : द कंक्लूज़न' का ट्रेलर

मुंबई/एजेन्सी

सोनी लिव की बहुप्रतीक्षित सीरीज़ 'चमक 2 : द कंक्लूजन' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। 'चमक 2 : द कंक्लूजन' को रोहित जुगराज ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि इसे गीतांजलि महेलवा चौहान, रोहित जुगराज और सुमीत दुबे ने प्रोड्यूस किया है। इस सीरीज में कई बेहतरीन कलाकार नजर आएंगे, जिनमें परमवीर सिंह चीमा, मनोज पाहवा, मोहित मलिक, ईशा तलवार, मुकेश छाबड़ा, प्रिंस कंवलजीत सिंह, सुविंदर (विकी) पाल और अकासा सिंह शामिल हैं। इसके अलावा, पंजाबी सिनेमा के सुपरस्टार गिप्पी ग्रेवाल भी एक खास भूमिका में नजर आएंगे। रोहित जुगराज ने कहा, संगीत हमेशा से 'चमक' की जान रहा है, लेकिन इस बार यह काला की बदले की कहानी का हिस्सा बन गया है। हर धुन, हर गीत और हर ताल उसके दर्द, गुस्से और इरादे को और मजबूत बना देता है। यह सीजन सिर्फ बदले की कहानी नहीं, बल्कि संगीत और हिम्मत के जरिए न्याय पाने की जंग है। 'चमक 2: द कंक्लूज़न', चार अप्रैल से सिर्फ़ सोनी लिव पर स्ट्रीम होगा।

फिल्म 'जाट' का नया टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो सनी देओल की आने वाली फिल्म जाट का नया टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म 'जाट' के निर्माताओं ने इस फिल्म का नया टीज़र रिलीज किया है, जिसमें सनी देओल धमाकेदार एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। एक्शन से भरे सीन में सनी देओल और रणदीप हुड्डा के बीच जबरदस्त मुकाबला नजर आया। सनी देओल ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर टीज़र वीडियो शेयर किया।

एक्शन के बीच वह चिल्लाकर कहते हैं ,मैं जाट हूं। टीज़र शेयर करते हुए सनी ने कैप्शन में लिखा, बॉक्स ऑफिस पर 'जाट' के वर्चस्व के लिए 30 दिन बाकी हैं। इस बैसाखी पर सिनेमाघरों में आपका मनोरंजन करने के लिए तैयार है। 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे पूर्व सोमवार को रणदीप हुड्डा ने फिल्म जाट से अपने खतरनाक किरदार 'रणतुंगा' की झलक दिखाई थी।

गोपिचंद मालिनेनी निर्देशित फिल्म जाट में सनी देओल मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण मायथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्टरी के सहयोग से किया गया है। फिल्म के हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस को अनल अरासु, राम लक्ष्मण और वेंकट ने शानदार ढंग से तैयार किया है।थमन एस का जोशीला संगीत और ऋषि पंजाबी की शानदार सिनेमैटोग्राफी फिल्म के अनुभव को और बेहतर बनाती है। नवीन नूली ने संपादन और अविनाश कोल्ला ने प्रोडक्शन डिज़ाइन किया है। फिल्म जाट 10 अप्रैल को रिलीज होगी।

होली

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बुधवार को पटना में रंगों से सराबोर होली मनाते हुए।

गुरु रंधावा ने किया 'शौंकी सरदार' का टीज़र रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अपने चार्टबस्टर गानों और एलबम्स के लिए मशहूर गुरु रंधावा अब अपने फैंस के लिए एक जबरदस्त पंजाबी एक्शन से भरपूर फिल्म 'शौंकी सरदार' लेकर आ रहे हैं। फैंस के लिए एक खास तोहफे के रूप में, गुरु रंधावा ने इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का टीज़र जारी कर दिया है, जो हाई-ऑक्टेन एक्शन, दमदार ड्रामा और जबरदस्त एनर्जी से भरपूर है। टीज़र में गुरु रंधावा के अब तक न देखे गए अवतार की झलक मिलती है, जहां वह एक निडर और अजेय नायक के रूप में जबरदस्त एक्शन सीक्वेंसेज़ में नजर आ रहे हैं। हाथों-हाथ लड़ाई से लेकर जबरदस्त चेज़ सीन्स तक, गुरु की दमदार उपस्थिति और पंजाबी अंदाज़ की ऊर्जावान पृष्ठभूमि 'शौंकी सरदार' को एक मस्ट-वॉच फिल्म बनाती है। 'शौंकी सरदार' में गुरु रंधावा के साथ बाब्बू मान, गुग्गू गिल और निमृत कौर की भी अहम भूमिका होगी।जहां दर्शक गुरु रंधावा की शानदार स्क्रीन प्रेजेंस देखने के लिए उत्साहित हैं, वहीं वे उनके सह-कलाकारों के साथ उनकी केमिस्ट्री और ब्रॉमांस को लेकर भी काफी रोमांचित हैं। गुरु रंधावा ने खुद को एक म्यूजिक सेंसेशन के रूप में स्थापित किया है, लेकिन उनकी एक्टिंग की ओर यह नई पारी फैंस के लिए बेहद दिलचस्प है। टीज़र में गुरु रंधावा के इस रफ एंड टफ लुक की झलक मिलती है, जिसे एक्शन, इमोशंस और पंजाबी फ्लेवर से भरपूर कहानी का समर्थन मिला है।

धीरज केदारनाथ रत्तन निर्देशित 'शौंकी सरदार' का निर्माण ईशान कपूर, शाह जंडियाली और धर्मिंदर बतौली ने किया है। टीज़र से साफ है कि यह फिल्म एक जबरदस्त विज़ुअल स्पेक्टेकल साबित होगी, जिसमें एक्शन, ड्रामा और एक अनूठी कहानी के साथ पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक झलक देखने को मिलेगी। इसी के साथ, 'शौंकी सरदार' 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

फिल्म निर्माता और टेलीविजन निर्देशक एकता कपूर बुधवार को मुंबई के एयरपोर्ट पर पहुँचीं।

मैं संजय लीला भंसाली और रोहित शेट्टी के साथ काम करना चाहूंगी : आयुश्री मलिक

मुंबई/भाषा

'लीवा मिस दिवा सुपरनेशनल' 2024 का खिताब अपने नाम करने वाली आयुश्री मलिक ने कहा कि यह पुरस्कार जीतने से उन्हें बॉलीवुड में कदम रखने का मौका मिला है। आयुश्री मलिक ने भविष्य में फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली और रोहित शेट्टी के साथ काम करने की इच्छा जताई। दिल्ली में जन्मी मलिक ने पिछले सप्ताह मुंबई में आयोजित एक भव्य समारोह में यह खिताब जीता था। मलिक ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''मैं इस बात से इनकार नहीं करूंगी कि मैं सचमुच सौभाग्यशाली हूं, क्योंकि बहुत से युवाओं को यह प्रतियोगिता जीतने के बाद भी बॉलीवुड में आने का मौका नहीं मिलता...मैं संजय लीला भंसाली सर की फिल्म में काम कर शुरुआत करना चाहूंगी क्योंकि वह अपने काम में महान हैं।'' उन्होंने कहा, '' अगर एक भारतीय के तौर पर मुझे उनकी फिल्म में काम करने और अपनी संस्कृति को दर्शाने का मौका मिलता है तो मुझे यकीन है कि यह लोगों का दिल जीत लेगा।'' उन्होंने कहा, ''दूसरा, मैं रोहित शेट्टी का नाम लूंगी क्योंकि उनकी फिल्मों में बहुत एक्शन होता है और मैं वास्तव में एक सुपरवुमेन किस्म की अभिनेत्री बनना चाहती हूं जो लड़ाई भी कर सके। मैं सभी निर्देशकों के साथ काम करने के लिए तैयार हूं क्योंकि सभी बहुत कुछ नया लेकर आते हैं।'' आयुश्री मलिक ने इस प्रतियोगिता के कुछ विजेताओं का भी जिक्र किया, जिन्हें वह पसंद करती हैं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

देश और समाज का दुर्भाग्य है कि प्रतिवर्ष अपनी लाखों प्रतिभाएं मातृभूमि को छोड़कर सफलता की तलाश में विदेश जा रही हैं। इस पलायन को रोकना सरकारों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। अगर यूं ही प्रतिभाओं का पलायन होता रहा तो हम पिछड़ जाएंगे। अपने देश में ऐसी व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने की आवश्यकता है कि प्रतिभाओं का लाभ भारत को ही मिले। इसके लिए एक सामूहिक राजनीतिक जागरण की जरूरत है। देश का युवावर्ग निष्ठापूर्वक यह क्रांति कर सकता है।

किडनी रोग की रोकथाम के लिए जागरूकता जरूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां सेपियंस हेल्थ फाउंडेशन ने 11 मार्च को विश्व किडनी दिवस 2025 मनाया। फाउंडेशन ने अपने अस्तित्व के 27वें वर्ष में प्रवेश किया है और किडनी रोग की रोकथाम तथा लोगों को इसके बारे में शिक्षित करने में सक्रिय रहा है।

आईआईटी मद्रास के संस्थान प्रोफेसर प्रो. कृष्णकुमार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा किडनी रोग की प्रासंगिकता पर बात की। केमप्लास्ट सनमार लिमिटेड के प्रबंध निदेशक तथा एमसीसीआई के अध्यक्ष रामकुमार शंकर ने समारोह की अध्यक्षता की तथा फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की।

अभिनेता एस. सिद्धार्थ ने नमक कम करने संबंधी मार्गदर्शिका जारी की तथा जरूरतमंदों की सेवा के लिए डॉ. राजन रविचंद्रन की सराहना की। डॉ. राजन रविचंद्रन ने किडनी रोग की रोकथाम तथा किडनी रोग के लक्षण के रूप में उच्च रक्तचाप तथा मूत्र में प्रोटीन रिसाव को पहचानने के महत्व पर विस्तार से बताया।

उन्होंने हृदयाघात, स्ट्रोक तथा किडनी फेलियर को रोकने के लिए नमक का सेवन डब्ल्यूएचओ के दिशानिर्देश के अनुसार प्रतिदिन 5 ग्राम तक कम करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। समारोह के दौरान फाउंडेशन की उपलब्धियों का एक वीडियो दिखाया गया। मधु बालाजी ने अपने हास्यपूर्ण भाषण से समारोह को जीवंत बना दिया।

सैपियंस हेल्थ फाउंडेशन के ट्रस्टी सुंदर रामचंद्रन ने कार्यक्रम का संचालन किया और फाउंडेशन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में डॉ. राजन रविचंद्रन के उल्लेखनीय योगदान को साझा किया।

उन्होंने 2010 से ही आहार में नमक कम करने के अभियान में डॉ. राजन रविचंद्रन के अग्रणी कार्य पर प्रकाश डाला, जब यह एक प्रमुख स्वास्थ्य जागरूकता मुद्दा नहीं बन पाया था।

अध्यक्ष : गोपाल कुमार अग्रवाल

सचिव : सन्नी जैन

कोषाध्यक्ष : विवेक खंडेलवाल

गोपाल बने 'मायुम' के अध्यक्ष, सनी

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा की नई कार्यकारिणी समिति गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच (मायुम) बेंगलूरु शाखा की सत्र की आखिरी बैठक एक होटल में आयोजित हुई जिसमें वर्ष 2025-26 के लिए नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा की गई। इस कार्यकारिणी बैठक में सलाहकार समिति में मायुम के पूर्व अध्यक्ष बिकास पोद्दार, पंकज जालान और अन्य सदस्य शामिल हुए। बैठक की शुरुआत में वर्तमान अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू ने सभी का स्वागत किया और अपने कार्यकाल में सहयोग देने के लिए सबको धन्यवाद दिया। सचिव शुभम लोहिया ने वर्ष भर की गतिविधियों के जानकारी के साथ मंत्री प्रतिवेदन पेश किया। कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने आय-व्यय का ब्यौरा पेश किया। बैठक में चुनाव अधिकारी और पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी ने नए सत्र के पदाधिकारियों की घोषणा की जिसमें गोपालकुमार अग्रवाल को अध्यक्ष, सनी जैन को सचिव व विवेक खंडेलवाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू ने नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी।

होली चातुर्मास कृष्णागिरी करेंगे मुनि मोहिजीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कृष्णगिरि। जीवन में ज्ञान, दर्शन, चरित्र और तप की आराधना करने वाला व्यक्ति आराधक बन मोक्ष को प्राप्त करता है। इन विचारों को जन-जन में प्रसारित करते हुए उन्हें मुनि मोहिजीत कुमार बेंगलूरु में मर्यादा महोत्सव के साथ 53 दिवसीय प्रवास के बाद तमिलनाडु की ओर प्रस्थान किया।

जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा किलपाक के अध्यक्ष अशोक परमार ने बताया कि मुनिश्री मोहिजीत कुमार होली चातुर्मास तमिलनाडु की प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र कृष्णगिरी में करेंगे। इस अवसर पर मुनिवृंद होली को सांस्कृतिक महत्व को प्रकट करते हुए जीवन में रंगों की रंगिनी से परिचय करवाएंगे। होली पर विशेष प्रवचन के अंतर्गत रंगों के ध्यान से जीवन पर, मन पर, भावों पर, व्यवहार पर, क्या असर तथा जीवन की सुरम्यता को कैसे बढ़ाया जा सकता है।

प्रभु महावीर स्वामी ने मानव को मानवता का पाठ पढ़ाया : मुनिश्री पद्मचन्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में डा. मुनिश्री पदमचंद्रजी ने कहा कि धर्म भाव प्रधान होता है। बाहरी क्रियाओं से ज्यादा भाव महत्व रखते हैं। हम त्वरित प्रतिक्रिया से बचें। काल के प्रभाव से चर्या में समय समय पर बदलाव होते आए हैं और प्रति व्यक्ति की क्षमता भी भिन्न भिन्न होती है।

मुनिश्री पदमचंद्रजी ने कहा कि प्रभु भगवान महावीर के समय समाज में नारी और पशु पर अत्याचार होता था, दास दासी को संपदा माना जाता था और समाज बंटा हुआ था, पर प्रभु महावीर स्वामी ने अपनी देशना से मानव को मानवता का पाठ पढ़ाया। भगवान महावीर ने कहा कि हमें किसी को अपनी नजर से तौलने का अधिकार नहीं है। आज अल्प ज्ञान के कारण राग द्वेष फैल रहा है और आपस में टकराहट बढ़ रही है। द्रव्य, क्षेत्र, काल और भाव के प्रभाव में साधु चर्या में उतार चढ़ाव आ सकते हैं। हमें गुण दृष्टि रखनी चाहिए। दोष देखने वाले अपना ही नुकसान कर लेते हैं। दोष देखना है तो अपने देखे।

संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा संचालन करते हुए बताया कि होली चातुर्मास पर्व पर गुरुवार को मुदलियार संघ कन्वेंशन हाल में मुमुक्षु का अभिनंदन होगा और आचार्यश्री जयगच्छ साधु साध्वियों के चातुर्मास स्थल की घोषणा करेंगे। संघ अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने स्वागत किया।

श्रद्धा युवती मंडल अम्बत्तुर ने मनाया रजत जयंती वर्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैन स्थानक अम्बत्तुर में श्री जैन श्रद्धा युवती मंडल ने रजत जयंती वर्ष, सेवा दिवस के रूप में मनाया। श्रद्धा युवती मंडल की महिलाओं द्वारा जरूरतमंद साधार्मिकों को दैनिक आवश्यकता की सामग्री, राशन एवं वस्त्रादि का वितरण किया गया व शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों की सहायतार्थ अनुदान भी दिया गया। इस अवसर पर चेन्नई के प्रतिष्ठित व्यवसायी, समाज सेवी, राजस्थान रत्न सुभाष रांका ने मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और अपनी वक्तव्य में कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए ट्रेनिंग कोर्स करने चाहिए। परिवार व कैरियर के बीच संतुलन बनाए रखने के टिप्स भी दिए। विशिष्ट अतिथि राजस्थान मोहिनी चोरड़िया ने अभिव्यक्ति के दौरान कहा कि महिलाएं कितनी भी ऊंची उड़ान भर ले पर अपनी जमीन से अवश्य ही जुड़ी रहें। साथ ही उन्होंने महावीर के अप्रमत्त सिद्धांत के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा दी। सम्मानित अतिथि अणुव्रत सेवी ललिता जोगड ने कहा कि हमें अणुव्रतों को जीवन में अपना कर स्वस्थ जीवन शैली की दिशा में कदम बढ़ाने चाहिए।

डॉ. ललिता छोरालिया द्वारा संचालित दिव्यांग बच्चों की संस्था जिनेंद्र ज्योति के मानसिक व शारीरिक रूप से अक्षम लेकिन भिन्न रूप से सक्षम बच्चों को स्थानक में आमंत्रित किया गया था। सभी बच्चों ने स्टेज पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रस्तुति देने के बाद जो प्रसन्नता उनके चेहरे पर दिखी उससे सभागार में उपस्थित सभी दर्शक अभिभूत थे। श्रीसंघ के अध्यक्ष महावीर बरमेचा ने मुख्य अतिथि सुभाष रांका का स्वागत किया। सचिव गौतम पोकरणा ने श्रद्धा युवती मंडल को नारी सशक्तिकरण तथा संस्कार और संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया।

वरिष्ठ मांगीलाल देसरला ने युवतियों के विकास का श्रेष्ठ माध्यम शिक्षा व स्वाध्याय बताया। श्रद्धा युवती मंडल द्वारा रजत जयंती वर्ष पर स्वरचित सामूहिक गान की सुंदर भावपूरित प्रस्तुति दी गई। श्रद्धा युवती मंडल द्वारा संचालित जैन गुरुकुल अम्बत्तूर के बच्चों द्वारा नृत्य के माध्यम से भावों की प्रभावपूर्ण व सुंदर प्रस्तुति दी। मंडल के पदाधिकारी संगीता देसरला, सपना बोथरा, टीना मेहता, मोनिका देसरला त्रिशला बोकड़िया ने कार्यक्रम के संपूर्ण व्यवस्था में महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में श्री संघ, नवयुवक मंडल, प्रियदर्शनी महिला मंडल, पहला कदम आदि संस्थाओं की भी उपस्थिति रही। गुरुकुल निर्देशिका व श्रद्धा मंडल की मार्गदर्शिका विजया कोटेचा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

धर्म का आचरण ही आत्मा की खुराक है : विनयमुनि खींचन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में श्री विनयमुनिजी 'खींचन' ने बुधवार को होली चातुर्मासिक आराधना में अपने प्रवचन में कहा कि जैसे आहार शरीर चलाने के लिए ज़रूरी होता है वैसे ही आत्मा की खुराक है ज्ञान, दर्शन, चारित्र रूप धर्म का सद्आचरण। एक हमारी आत्मा ही सदा शाश्वत, अनंत शक्तिमान है। अतः हमें इस नाशवान शरीर से मोह आसक्ति भाव को कम करते हुए आत्मा के शाश्वत स्थान परम पद मुक्ति मोक्ष की आराधना करनी चाहिए। धर्म के आचरण से जिस फल की प्राप्ति होती है, वह फल कामधेनु गाय, कल्पवृक्ष या चिन्तामणि रत्न से भी नहीं मिल सकता। वह फल थोड़े समय के लिए भी पूर्णसिद्धि नहीं देता, जबकि धर्म सेवन से मिलने वाला मोक्ष रूप फल चिरकाल, स्थायी और पूर्ण सुखदाता है। मुनिश्री ने श्रावक के बारह व्रतों के बारे में संक्षिप्त व्याख्या करते हुए गुरुवार को चौमासी पक्खी महापर्व पर सभी श्रद्धालुओं को ज्यादा से ज्यादा धर्म स्थान में आकर जिनवाणी श्रवण, सामायिक व्रत, पौषध, संवर, उपवास, प्रतिक्रमण साधना, दया, त्याग, तपस्या करने की प्रेरणा दी।

मदुरै कपड़ा बाजार होली स्नेह मिलन का आयोजन कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। मदुरै तमिलनाडु प्रवासी राजस्थानी कपड़ा बाजार द्वारा रगारंग होली एवं स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन 14 मार्च को स्थानीय तेरापंथ भवन में आयोजित किया जाएगा। प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि रंगारंग होली एवं स्नेह मिलन कार्यक्रम को हर्षोल्लास से मनाने के लिए मीटिंग आयोजित की गई जिसमें करीबन 35 सदस्यों ने उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम पर चर्चा कर विभिन्न समितियों का गठन कर कार्यभार सौपा। अध्यक्ष ओमप्रकाश कोठारी ने सभी प्रवासियों कपड़ा बाजार के सदस्यों का स्वागत कर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में गुरुवार को रात्रि में होलिका दहन और शुक्रवार को सुबह 08:30 बजे महल वदमपोकी स्ट्रीट से सामूहिक में बैंड बाजे डीजे, के साथ बाजते गाजते म्यूजिकल होली, ऑर्गेनिक गुलाल रंगों से होली खेली जाएगी। स्नेह मिलन समारोह व स्वरूचि भोज का आयोजन तेरापंथ भवन में होगा।

जीतो अपेक्स के चेयरमैन ने साध्वीश्री संयमलता के दर्शन किए

बेंगलूरु/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। शहर के गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन में विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के दर्शनार्थ जीतो अपेक्स के चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी, तेजराज गुलेच्छा, रमेश हरण, श्रीपाल बच्छावत, नरेंद्र सामर, रणजीत सोलंकी, विमल कटारिया, विजय सिंघवी, महेंद्र रांका, सतीश पोरवाड़, दिनेश खिंवेसरा,राकेश पोखरना, रमेश दक, अशोक भंडारी, भरत रांका, जीतो महिला विंग चेयरपर्सन बबीता रायसोनी, सुनीता गांधी आदि उपस्थित हुए। पृथ्वीराज कोठारी ने 9 अप्रैल को होने वाले विश्व नवकार दिवस की जानकारी दी और कहा कि इस दिन सम्पूर्ण विश्व में 180 देशों में एक साथ एक ही समय 8.01 बजे से मानव कल्याण हेतु नवकार मंत्र के जाप का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी उपस्थितजनों को नवकार जाप में शामिल होने का आह्वान किया। तेजराज गुलेच्छा ने जीतो की आगे की योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी दी।

'जीतो साउथ' ने बिजनेस नेटवर्क मेंबर्स कनेक्ट 4.0' कार्यक्रम आयोजित किया

बिजनेस सिनर्जी के दूसरे संस्करण में शामिल हुए 50 सदस्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ व जीतो बिजनेस नेटवर्क के तत्वावधान में मेंबर्स कनेक्ट 4.0 - बिजनेस सिनर्जी' कार्यक्रम के चौथे संस्करण का आयोजन किया गया जिसमें सदस्यों के बीच अर्थपूर्ण संबंधों और व्यावसायिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए एक माइक्रो बैठक आयोजित हुई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चैप्टर के 880 सदस्यों तक पहुंचना व बेहतर नेटवर्किंग सुविधा प्रदान करना है। जीतो साऊथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने कार्यक्रम में सबका स्वागत करते हुए जीतो की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जीतो फाउंडेशन डे और ग्रो 10एक्स विद वर्क-लाइफ बैलेंस 23 मार्च को, विश्व नवकार दिवस 9 अप्रैल को, महावीर जयंती 10 अप्रैल को, और जीतो स्पोर्ट्स टेनिस क्रिकेट लीग 1 मई से जेआईएसआर, कनकपुरा में आयोजित होंगे। सचिव प्रतीक गांधी ने बैठक के उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि सदस्यों के व्यवसाय को समझना और व्यवसायिक संबंधों को बढ़ावा देना इसका मुख्य मुद्दा है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जीतो इनक्यूबेशन व इनोवेशन फाउंडेशन (जेआईआईएफ) जीतो अपेक्स के उप चेयरमैन भरत ओसवाल ने जेआईआईएफ के माध्यम से पिचिंग और निवेश के बारे में सारगर्भित संबोधन दिया। उन्होंने बताया कि जेआईआईएफ एक मंच के रूप में कार्य करता है जो जीतो इकोसिस्टम के भीतर स्टार्टअप्स, उद्यमियों और छोटे व्यवसायों के लिए निवेश और फंडिंग अवसर प्रदान करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जेआईआईएफ निवेशकों और उद्यमियों के बीच सूत्र का कार्य करता है। उन्होंने उपस्थित उद्यमियों को अपने आइडिया के प्रस्तुतिकरण, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, मजबूत वित्तीय अनुमान आदि पर विशेष ध्यान देने की बात कही। जीतो एपेक्स के सचिव श्रीपाल बच्छावत ने व्यापार संचार में सुधार और जीतो एपेक्स में नवीनतम विकास पर प्रौद्योगिकी विशेष प्रभाव डालती है।

आज की तेजी से बदलती दुनिया में प्रभावी संचार के महत्व को रेखांकित करते हुए, बच्छावत ने कहा कि प्रौद्योगिकी व्यापार में आई कमियों व अंतराल को पाट सकती है। उन्होंने जीतो अपेक्स में नवीनतम विकास पर अपडेट साझा किए, जिसमें डिजिटल परिवर्तन की पहल, प्रमुख कार्यक्रम और उद्यमिता, नेतृत्व और समुदाय विकास पर केंद्रित आगामी कार्यक्रम शामिल हैं।

आईवीएफ की महिलाओं ने 'मोहे रंग दे' होली कार्यक्रम में दी प्रस्तुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतर्राष्टीय वैश्य फेडरेशन (आईवीएफ) कर्नाटक की महिला विंग द्वारा होली के उपलक्ष्य में 'मोहे रंग दे-होली संग सहेली' का विशेष आयोजन किया गया। आईवीएफ के सहमंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि महिलाओं को सांस्कृतिक सशक्तिकरण की नई पहल के अंतर्गत नृत्य एवं संगीत को नई ऊंचाई प्रदान करने हेतु यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

महिला अध्यक्षा रितु अग्रवाल ने बताया कि सूरत की नृत्यांगना रितु गुप्ता से 200 से अधिक महिलाओं ने नृत्य की बारीकियों को सीखा। होली के उपलक्ष्य में फूलों से होली खेली गई और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आर पी रविशंकर, बिपिनराम अग्रवाल, नीरज बंसल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। महिला विंग की सचिव पूजा, मुख्य सलाहकार सोनू अग्रवाल, अनिता जिंदल और स्वाति गुप्ता ने व्यवस्था संभाली।

कार्यक्रम के प्रायोजकों का सम्मान किया गया। अंत में सचिव पूजा ने धन्यवाद दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.